प्रयागराज, रविवार 04 जनवरी 2026 से शनिवार 10 जनवरी 2026 तक
वर्ष-14 अंक-01
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

'हमारी ग्राम पंचायतों की आत्मनिर्भरता से ही उत्तर प्रदेश बन सकता है आत्मनिर्भर',योगी सरकार का बड़ा ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि यह राज्य तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब हमारी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में पंचायतीराज विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर तभी बन सकता है, जब हमारी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनें। योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतों की आय को बढ़ाने के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा।

उन्होंने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्सव भवन के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उत्सव भवन का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर मांगलिक कार्यक्रम के लिए किया जाए। अन्य दिनों में उत्सव भवन का उपयोग योग/वेलनेस से जुड़ी गतिविधियों के लिए किया जाए। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने मातृभूमि योजना से उत्तर प्रदेश के प्रवासियों को जोड़ने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अपना सहयोग देने वाले प्रवासियों के पूर्वजों के नाम पर परियोजना का नाम रखा जाए। साथ ही, ऐसे प्रवासियों को प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाए, ताकि अन्य लोग भी उनसे प्रेरणा लें। बयान के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 9.67 लाख व्यक्तिगत शौचालय निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष अब तक 4.79 लाख शौचालय निर्मित हो चुके हैं। इसी के साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में पहले स्थान पर है।

प्रसव के लिए सुदूर गढ़चिरौली गांव से छह किलोमीटर पैदल चलकर आई गर्भवती महिला की मौत

मुम्बई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्य सड़क से कटे गांव में प्रसव सुविधा नहीं मिलने पर छह किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि एटापल्ली तालुका के आलदंडी टोला निवासी 24-वर्षीय आशा कार्यकर्ता संतोष किरंगा की मौत हो गई, जो नौ महीने की गर्भवती थीं। उन्होंने बताया कि मुख्य सड़क से कटे गांव और प्रसव की कोई सुविधा न होने के कारण किरंगा ने एक जनवरी को अपने पति के साथ जंगल के रास्ते से छह किलोमीटर चलकर अपनी बहन के घर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान उसकी हालत बिगड़ गई।

अधिकारी ने बताया, "दो जनवरी की सुबह महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी। उन्हें एम्बुलेंस से हेदरी स्थित काली अम्माल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने ऑपरेशन का विकल्प चुना, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। गर्भ में ही शिशु की मृत्यु हो चुकी थी। बढ़ते रक्तचाप के कारण महिला की भी कुछ समय बाद मृत्यु हो गई।

मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थेः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें सही मायने में राजनेता बताया। सिंह दिल्ली विधानसभा में दोनों नेताओं के चित्रों का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने "भारत माता" विषय पर एक कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं। सिंह ने कहा कि वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का अनावरण उनके शब्दों और कार्यों की एक मौन स्मृति है। उन्होंने लोगों से शिक्षा को राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का एक साधन मानने का आह्वान किया, जैसा कि मालवीय ने किया था और राजनीति को वाजपेयी की तरह लोक सेवा के रूप में लेने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मालवीय और वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे। सिंह ने कहा कि वाजपेयी ने स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उनका (वाजपेयी) मानना ??था कि संकीर्ण मानसिकता से कोई महान नहीं बन सकता और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक मतभेद कभी भी कलह में तब्दील न हों। उन्होंने कहा, "वाजपेयी ने हमें सिखाया कि सत्ता में रहते हुए विनम्र रहना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। यहां तक ??कि किसी की आलोचना करते समय भी वह हमेशा गरिमा बनाए रखते थे और उन्हें आहत करने से बचते थे।" उन्होंने कहा कि वाजपेयी मालवीय के विचारों और कार्यों के "सच्चे उत्तराधिकारी" थे। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायी मामलों के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कार पलटने से एक छात्र की मौत चार अन्य घायल

लखनऊ। मथुरा जिले में कार पलटने से एक छात्र की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह घटना रात करीब साढ़े दस बजे कोतवाली क्षेत्र में नवादा गांव के पास की है जब कोतवाली क्षेत्र के कृष्णानगर निवासी दर्श उर्फ संभव यादव (19) अपने चार दोस्तों के साथ पार्टी करके कार से घर लौट रहा था। उसने बताया कि तभी आगे चल रहे ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने के कारण यादव अपने वाहन से नियंत्रण खो बैठा। पुलिस ने बताया कि कार अनियंत्रित होकर पलट गई। रिफाइनरी क्षेत्र की पुलिस उपाधीक्षक श्वेता वर्मा ने बताया कि कार में सवार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने संभव को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अफीम जब्त,पंजाब के दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में 2.7 किलोग्राम अफीम जब्त कर पंजाब के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बोकाजन उपमंडल के खटखटी में एक जांच चौकी पर एक ट्रक को रोका गया और उसकी गहन तलाशी ली गई। पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान अफीम के दो पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि ट्रक नगालैंड के दीमापुर से आ रहा था और ट्रक से पकड़े गए लोग पंजाब के रहने वाले थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मलप्पुरम में जूते की एक फैक्टरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। केरल के मलप्पुरम में अरवनकारा स्थित जूते की एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। अग्निशमन एवं बचाव सेवा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग में फैक्टरी पूरी तरह से जलकर खाक हो गयी। अधिकारियों के अनुसार, पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 50 मिनट पर सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद अग्निशमन कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग भीषण थी और फैक्टरी का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा, कच्चे माल का भंडारण क्षेत्र और गोदाम जलकर खाक हो गए। आग बुझाने के लिए मलप्पुरम, थिरूर, पोन्नानी, पेरिनथलमान्ना, मंजरी और मींचंथा स्टेशन से दमकल की 10 से अधिक गाड़ियां भेजी गईं। अधिकारियों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि इसे आसपास के घरों में फैलने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए। उन्होंने बताया कि अपराह्न करीब तीन बजे तक लगभग 90 प्रतिशत आग पर काबू पा लिया गया था। दमकल कर्मियों को संदेह है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी हालांकि सटीक कारण की पुष्टि विद्युत निरीक्षण विभाग और पुलिस द्वारा विस्तृत जांच के बाद की जाएगी।

अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार में संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और अपराह्न करीब दो बजकर 40 मिनट पर समाप्त हुई।

अमित शाह

उन्होंने बताया कि इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) एवं राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की क्षेत्रीय स्तर पर स्थापना किए जाने पर भी बैठक में जोर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के रणनीतिक महत्व पर एक अलग सत्र भी आयोजित किया गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं बंडी संजय कुमार, समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। शाह दोपहर बाद श्री विजय पुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) के 'आईटीएफ ग्राउंड' में 'नवीन न्याय संहिता' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह नेताजी स्टेडियम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। शाह शुक्रवार रात तीन दिवसीय दौरे पर अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पहुंचे थे। उनका विमान श्री विजयपुरम में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित आईएनएस उत्क्रोश पर रात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर उतरा। उपराज्यपाल डी. के. जोशी समेत अन्य लोगों ने शाह का स्वागत किया। यह एक महीने से भी कम समय में शाह का यहां दूसरा दौरा है। उन्होंने इससे पहले 12 दिसंबर को वी. डी. सावरकर की प्रतिष्ठित कविता 'सागर प्राण तलमाला' की 116वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्वीपसमूह का दौरा किया था। अधिकारियों ने बताया कि शाह के दौरे के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

सिलेंडर में विस्फोट से लगी आग में पांच मकान खाक, दो लोग घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर गांव में एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट के कारण लगी आग में पांच मकान जलकर खाक हो गए, जबकि आग बुझाने के प्रयासों में दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात थाचना गांव की है जहां पहले एक मकान में आग लगी और उसने तेजी से अन्य घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस, सेना और दमकल विभाग की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने के लिए संयुक्त अभियान चलाया। अधिकारियों के अनुसार, दमकल गाड़ियां तुरंत दूरस्थ क्षेत्र में भेजी गईं और आग को फैलने से रोकने के लिए आसपास के मकानों से एलपीजी सिलेंडर हटा दिए गए।

उत्तर प्रदेश में 6 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप, फिर मासूम को छत से फेंका, आरोपी एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। एक बार फिर एक मासूम बच्ची को दरिंदों ने निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक छह साल की बच्ची का गैंगरेप कर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपियों ने कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के लिए बच्ची को हमले के बाद छत से नीचे फेंक दिया था। यह घटना 2 जनवरी की देर रात हुई। पुलिस ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि एक नाबालिग लड़की गंभीर रूप से घायल हालत में मिली है। उसे तुरंत सिकंदराबाद के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लड़की के पिता की शिकायत पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) और 103(1) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(स) और 6 के तहत मामला दर्ज किया। अपनी शिकायत में, पिता ने कहा कि राजू और वीरू कश्यप नाम के दो आदमी उसी बिल्डिंग में किराएदार के तौर पर रहते थे। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी छत पर खेल रही थी और बाद में बिल्डिंग के पीछे एक खेत में पड़ी मिली। उन्हें शक था कि दोनों आदमियों ने बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी हत्या कर दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए, सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए तीन टीमें बनाईं। बाद में पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध एक निर्माणाधीन कॉलोनी में इदरीस के ठिकाने पर छिपे हुए हैं।जब सिकंदराबाद पुलिस टीम ने इलाके को घेरा, तो आरोपियों ने कथित तौर पर पुलिस पर गोलियां चलाईं।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एनकाउंटर के दौरान राजू और वीरू कश्यप दोनों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें घायल हालत में गिरफ्तार किया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस ने बताया कि शुरुआती पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने अपराध में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली।

भीषण सर्दी में भी अडिग है देश की सुरक्षा, राजधानी से लेकर सीमाओं तक जवानों का हौसला कायम

नई दिल्ली। देश के एक बड़े हिस्से में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मैदानों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक तापमान लगातार गिर रहा है। ऐसे मौसम में जब आम लोग घरों में कंबलों के भीतर दुबकने को मजबूर हैं, तब भी देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे जवान पूरी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों में डटे हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक, सुरक्षा बलों का जज्बा इस भीषण ठंड में भी कमजोर नहीं पड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो सुबह तड़के कड़कड़ाती ठंड के बीच 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल जारी है। घ्र्ग ड्रु के आसपास घना कोहरा और सर्द हवाओं के बीच ऐंझ्ड के जवान पूरे अनुशासन के साथ परेड अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। ठंड से बेपरवाह, सीना तान कर कदमताल करते जवान यह संदेश दे रहे हैं कि देश की आन बान शान के सामने मौसम की कोई अहमियत नहीं। इन दृश्यों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे सुबह की सर्द हवाओं और कोहरे के बीच जवान लगातार अभ्यास में जुटे हैं। वहीं दूसरी ओर, उत्तर भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी हालात आसान नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ँएइ पूरी तरह हाई अलर्ट पर है। सर्द रातें, ठंडी हवाएं और कम दृश्यता के बावजूद जवान हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। यहां तैनात जवानों का कहना है कि मौसम चाहे जैसा हो, सतर्कता में कोई कमी नहीं आने दी जाती। सीमा की सुरक्षा हर परिस्थिति में सर्वोपरि है। हम आपको यह भी बता दें कि सबसे चुनौतीपूर्ण हालात देखने को मिल रहे हैं जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में। पीर पंजाल रेंज में तेरह हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर भारी बर्फबारी के बावजूद रोमियो फोर्स का सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है।

दिल्ली हवाई अड्डा पर करीब 21 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से लगभग 21 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों को 31 दिसंबर को बैंकॉक (थाईलैंड) से आने के बाद रोका गया। उन्होंने बताया कि गुजरात के रहने वाले दोनों आरोपी अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, 'काले रंग के दो ट्रॉली बैग की जांच के दौरान अधिकारियों को उनके भीतर छिपाकर रखे गए पॉलीथीन बैग मिले, जिनमें सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसके नशीला पदार्थ होने का संदेह था।' विभाग ने बताया कि जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 2,095.5 ग्राम है और प्रारंभिक जांच में इसके कोकीन होने के संकेत मिले हैं।

द्रमुक की 2026 की तैयारी,सीएम स्टालिन ने लॉन्च किया घोषणापत्र पोर्टल, अब जनता देगी सुझाव

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में डीएमके चुनाव घोषणापत्र पोर्टल 2026 का शुभारंभ किया। यह पोर्टल समाज के सभी वर्गों के लोगों को पार्टी के चुनाव घोषणापत्र के लिए विचार और सुझाव देने में सक्षम बनाएगा। कलाइग्नार हॉल में आयोजित कार्यक्रम में, स्टालिन ने डीएमके चुनाव घोषणापत्र मसौदा समिति की आधिकारिक ईमेल आईडी, व्हाट्सएप नंबर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यापारी, किसान, सरकारी कर्मचारी, पेशेवर और युवा सहित आम जनता अपने विचार और अपेक्षाएं साझा कर सकती है, जिन पर घोषणापत्र तैयार करते समय विचार किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए कनिमोझी करुणानिधि ने कहा कि यह घोषणापत्र जनता का घोषणापत्र होना चाहिए, जैसा कि हमारे नेता ने हमें सलाह दी है। सुरेश संबन्धम ने एक पोर्टल बनाया है, और हम इसे आज लॉन्च करने जा रहे हैं, जहां लोग अपने सुझाव दे सकते हैं। हम अपने नेता को धन्यवाद देते हैं जो आज पोर्टल लॉन्च करने आए हैं। मैं पेंशन पर एक बड़ी घोषणा के बाद यहां आने के लिए हमारे मुख्यमंत्री को भी धन्यवाद देती हूं। कनिमोझी ने कहा कि डीएमके के चुनावी घोषणापत्रों में हमेशा जनता से किए गए वादों को पूरा करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित पोर्टल आम नागरिकों को किसी भी क्षेत्र से अपने सुझाव देने, लिखने या अपलोड करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा चुनावी घोषणापत्र हमेशा से वादों को पूरा करने वाला रहा है। आज हम एक ऐसा पोर्टल लॉन्च कर रहे हैं जहां किसी भी क्षेत्र के आम लोग बोल सकते हैं, लिख सकते हैं और अपने विचार अपलोड कर सकते हैं। एआई का उपयोग करके, पोर्टल हमें सुझाव देगा। इस बीच, भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस पर तमिलनाडु में डीएमके सरकार के 'विफल मॉडल' को उजागर करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने राज्य के बढ़ते कर्ज पर कांग्रेस से जुड़े एक दल की टिप्पणी का हवाला दिया, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन की स्थिरता पर सवाल उठाया और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन से जवाब मांगा। तमिलनाडु उन कुछ राज्यों में से है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि साथ ही, अगर एक भी पुलिस अधिकारी से गलती हो जाती है, तो इससे पूरे विभाग पर जनता का भरोसा टूट जाता है। आपको इस बात का ध्यान रखना होगा और पूरी सावधानी से काम करना होगा। मुझे विश्वास है कि आप सभी ऐसा करेंगे। आपको मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति अपनानी होगी। आप सभी के घरों में बच्चे हैं। आपको व्यक्तिगत रूप से शामिल होकर काम करना होगा, यह समझते हुए कि अगर मादक पदार्थों के खतरे को अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो यह कल हमारे अपने बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि आपमें से प्रत्येक (पुलिस) को व्यक्तिगत संकल्प लेना होगाः 'मेरे अधिकार क्षेत्र में, मैं अपने नियंत्रण से बाहर किसी भी अपराध को होने नहीं दूंगा।

आरएसएस अर्धसैनिक संगठन नहीं, भाजपा को देखकर निष्कर्ष निकालना बड़ी भूल : मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि वर्दी और शारीरिक अभ्यास के बावजूद संघ कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देखकर आरएसएस के बारे में निष्कर्ष निकालने की कोशिश करना एक बड़ी भूल होगी। भागवत ने यहां प्रबुद्धजनों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को एकजुट करने और उसमें आवश्यक गुण व सद्गुण विकसित करने का कार्य करता है, ताकि भारत दोबारा किसी विदेशी शक्ति के अधीन न जाए।

उन्होंने कहा, "हम वर्दी पहनते हैं, पथ संचलन करते हैं और दंड अभ्यास करते हैं। लेकिन अगर कोई इसे अर्धसैनिक संगठन समझता है तो यह भूल होगी।' उन्होंने कहा कि संघ एक अनूठा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है। भागवत ने कहा, "अगर आप भाजपा को देखकर संघ को समझना चाहते हैं तो यह बहुत बड़ी गलती होगी। यही गलती तब भी होगी, जब आप विद्या भारती को देखकर संघ को समझने की कोशिश करेंगे।" उल्लेखनीय है कि आरएसएस को जनसंघ और उसके उत्तराधिकारी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का वैचारिक मूल संगठन माना जाता है।

भागवत ने कहा कि संघ के खिलाफ एक "झूठा विमर्श" गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल लोग सही जानकारी के लिए गहराई में नहीं जाते। वे स्रोत तक नहीं पहुंचते, बल्कि विकिपीडिया देख लेते हैं। वहां सब कुछ सही नहीं होता। जो भरोसेमंद स्रोतों तक जाएंगे, उन्हें संघ के बारे में सही जानकारी मिलेगी।"

भागवत ने कहा कि इन्हीं भ्रांतियों के कारण संघ की भूमिका और उद्देश्य को स्पष्ट करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर के उनके दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि आम धारणा है कि संघ का जन्म किसी प्रतिक्रिया या विरोध के रूप में हुआ, जबकि ऐसा नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, "संघ किसी प्रतिक्रिया या विरोध में नहीं बना है। संघ किसी से प्रतिस्पर्धा भी नहीं करता।" भागवत ने कहा कि अंग्रेज भारत पर आक्रमण करने वाले पहले लोग नहीं थे। उन्होंने कहा कि बार-बार दूर-दराज से आए कुछ गिने-चुने लोग, जो भारतीयों से हर दृष्टि से कमजोर थे, उन्होंने हमें पराजित किया। उन्होंने कहा, "वे न तो हम जैसे समृद्ध थे और न ही हम जैसे सदाचारी। देश की बारीकियों को जाने बिना भी वे हमारे घर में हमें हराते रहे। ऐसा सात बार हुआ और अंग्रेज आठवें आक्रांता थे। तब सवाल उठता है कि आजादी की गारंटी क्या है? हमें यह सोचने की जरूरत है कि ऐसा बार-बार क्यों हुआ।" भागवत ने कहा कि समाज को स्वयं को समझते हुए स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उनके अनुसार, यदि समाज गुणों और मूल्यों के साथ एकजुट होकर खड़ा होता है तो देश का भविष्य निश्चित रूप से बेहतर होगा। भागवत ने कहा कि संघ की वित्तीय स्थिति अब ठीक है और वह किसी बाहरी धन या चंदे पर निर्भर नहीं है। उन्होंने पिछले 100 वर्षों में संगठन द्वारा झेली गई आर्थिक कठिनाइयों को भी याद किया। अपने संबोधन के अंत में भागवत ने लोगों से संघ को बेहतर ढंग से समझने के लिए किसी 'शाखा' में आने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैंने संघ के बारे में अपने विचार रखे हैं। समझना है तो भीतर आकर समझिए। अगर मेरी बातों पर भी पूरा विश्वास न हो तो कोई बात नहीं। सबसे अच्छा तरीका है कि अंदर आकर संघ को समझा जाए।

माघी पूर्णिमा स्नान में चमकी यमुनानगर यूथ टीम की युवा शक्ति

आधुनिक समाचार

प्रयागराज।माघ मेले के प्रथम स्नानोत्सव माघी पूर्णिमा पर नैनी क्षेत्र की यमुनानगर यूथ टीम ने अनुकरणीय सेवा का परिचय दिया।शनिवार की सुबह से सजग टीम ने अरेल घाट मेला क्षेत्र में भ्रमण कर सफाई-सुरक्षा-यातायात का ऐसा प्रबंधन किया कि हजारों श्रद्धालुओं को सहूलियत मिली।सेवा का अनुपम उदाहरण नैनी चौराहों पर तैनात युवाओं ने प्रशासन के साथ कंधा मिलाकर कूड़ा-करकट हटाया। चोरी-छिनौती रोकने हेतु चौकन्ने रहे तथा जल पुलिस के सहयोग से स्नानरत भक्तों की डूबने से रक्षा सुनिश्चित की। खाद्य-पदार्थों की गुणवत्ता पर नजर रखी गई।यूथ प्रभारी मनीष विश्वकर्मा ने सदस्यों को श्रद्धालुओं के पूर्ण सहयोग का निर्देश दिया। समस्या की सूचना मेला पुलिस या टीम नंबरों पर तत्काल देने को कहा। सहयोगी दलों की उपस्थिति पुलिस टीमः कौशलेंद्र सिंह (प्रभारी), सुनील कुमार सिंह (हेड कांस्टेबल), संत कुमार (कांस्टेबल), सुजीत सिंह (जल पुलिस प्रभारी), अमित कुमार (पीडीए चौकी प्रभारी)।यूथ टीम स्टारः संदीप चंद्र श्रीवास्तव (जनसंपर्क), रमेश लाल श्रीवास्तव (सहायक प्रभारी), विमल सक्सेना-मोहम्मद अरशद (क्षेत्रीय प्रभारी), सक्षम शर्मा कार्यक्रम अधिकारी, गौरव विश्वकर्मा, अश्वनी कुशवाहा, नीरज मिश्रा, शिव प्रताप सिंह, अजीत प्रताप सिंह, निलेश तिवारी, हिमांशु सिंह, राम प्रकाश प्रजापति, ऋषभ सिंह, आकाश सिंह, अतुल सिंह, पवन तिवारी।

माघ मेले में यह सामुदायिक समर्पण प्रशासन के लिए प्रेरणा है। युवाओं की यह मुस्तैदी आने वाले पर्वों हेतु मिसाल बनेगी।

एक पुलिस अफसर ऐसा भीः डीएसपी/एसीपी नारायण वत्स ने दिखाई संवेदनशीलता,बुजुर्ग को भेंट की नई साइकिल

रिपोर्ट सुधांशु शर्मा

प्रयागराज। पुलिस की वर्दी सिर्फ कानून का प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनाओं की पहचान भी होती है– इसका जीवंत उदाहरण बने डीएसपी/एसीपी नारायण वत्स। आम लोगों से आत्मीय संबंध रखने वाले नारायण वत्स ने एक बुजुर्ग अनुयायी के प्रति ऐसी मानवीय पहल की, जो समाज के लिए मिसाल बन गई। डीएसपी नारायण वत्स के अनुसार, उनके परिचित और अनुयायी स्वामी दादा अक्सर उनका हालचाल लेते रहते हैं। खाना न खाने पर नाराज़ होना, स्वास्थ्य की चिंता करना–उनका अपनापन चर्चा का विषय है।

साइकिल चोरी की बात, दिल छू गया संवाद बीते दिन शाम के समय स्वामी दादा उनसे मिलने पहुंचे। बातचीत के दौरान दादा ने बताया कि भागवत कथा सुनने जाते समय गेंदघर से उनकी साइकिल चोरी हो गई। डीएसपी ने सहजता से पूछा– 'एफआईआर करवा दूं?' इस पर दादा

मुस्कराते हुए बोले– 'जाई देवा जाय साहेब।' कागज़ी कार्रवाई से आगे बढ़ी इंसानियत डीएसपी नारायण वत्स ने बताया कि स्वामी दादा वाहन नहीं चला पाते और उनका पूरा आवागमन साइकिल से ही होता है। ऐसे में उन्होंने निर्णय लिया कि दादा को एक नई साइकिल भेंट की जाए।

उनके शब्दों में– 'थोड़ा खर्च और बदले में ढेर सारी मुस्कान और सुकून–यही सबसे अच्छा रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट है।' हरक्यूलस साइकिल पाकर खिल उठे दादा नई हरक्यूलस साइकिल पाकर स्वामी दादा के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर गया। डीएसपी ने स्पष्ट किया कि चोरी गई साइकिल को लेकर पुलिस कार्रवाई जारी है, लेकिन मानवीय स्तर पर मदद करना भी उतना ही जरूरी है। पुलिसिंग का मानवीय चेहरा यह घटना साबित करती है कि जब पुलिस अफसर संवेदनशीलता और अपनत्व के साथ आगे बढ़ते हैं, तो कानून और जनता के बीच भरोसे की डोर और मजबूत होती है।

आशुतोष मेमोरियल स्कूल में एक दिनी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। शिक्षकों की प्रतिभा एवं क्षमता उन्नयन के क्रम में सी. बी. एस. ई (सी. ओ. ई) प्रयागराज के द्वारा आशुतोष मेमोरियल स्कूल, धनैचा मलखानपुर हनुमानगंज में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला प्रायोजित की गई । प्रशिक्षण का विषय था अभिभावकों को शिक्षा के बारे में शिक्षित करना । इस एक दिनी प्रशिक्षण के लिए सी. ओ. ई प्रयागराज द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की आचार्या डॉक्टर सरोज यादव एवं डॉक्टर शीलू कछाप को प्रशिक्षण विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया था जिन्होंने स्लाइड पीटी अभ्यास पत्र को एवं ऑडियो वीडियो के द्वारा विषय विश्व वस्तु की विस्तृत व्याख्या से

प्रतिभागियों को लाभान्वित किया । उन्होंने कहा कि स्कूल में आने वाले विद्यार्थी अलग-अलग परिवेश और समाज से आते हैं और उनमें से हर एक की क्षमता भी अलग-अलग स्तर की होती है। शिक्षक और अभिभावक दोनों की यह सामूहिक जिम्मेदारी होती है कि वह हर विद्यार्थी को उसकी क्षमता के अनुरूप उनके विकास को प्रोत्साहित करें जिससे वह प्रतिकूल और भावेश की स्थिति में भी अपने प्रगति के पद से विचलित ना हो और जीवन के कर्म क्षेत्र में सफल हो सके। इस प्रशिक्षण में आशुतोष मेमोरियल स्कूल से 24, रश्मोर इंटरनेशनल स्कूल से 9, टैगोर पब्लिक स्कूल से 4, सेंट जोसेफ स्कूल नैनी से 2 और सेंट थॉमस हंडिया प्रयागराज से 20 शिक्षकों ने प्रतिभा किया।

प्रांत एस.एफ.डी.प्रमुख बनें -डॉक्टर प्रमोद शर्मा

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रमोद शर्मा को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एस.एफ.डी. आयाम का प्रांत प्रमुख बनाया गया है। डॉक्टर प्रमोद शर्मा अपने छात्र जीवन से ही पर्यावरण संरक्षण एवं माँ गंगा की अविरलता एवं निर्मलता को लेकर सक्रिय हैं।जेआरएफ की स्कॉलरशिप मिलने पर जाने माने पर्यावरणविद् गंगा पर अवेयरनेस प्रोग्राम माघ/कुंभ मेले में भव्य प्रदर्शनी लगाने वाले इविवि के प्रोफेसर दीनानाथ शुक्ल के निर्देशन में माँ गंगा पर पीएचडी किए माँ गंगा की अविरलता एवं निर्मलता को लेकर देश के माने जाने चिंतक थिंक टैंक के.एन.गोविंदाचार्य के सानिध्य में सन 2008 से गंगा संस्कृति प्रवाह यात्रा के समय से सक्रिय रहे। गोविंदाचार्य द्वारा निकाली गई तीन यात्राओं गंगा संवाद एवं अध्ययन प्रवास यात्रा, यमुना संवाद यात्रा एवं नर्मदा संवाद यात्रा में भी सक्रिय भूमिका निभाई। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित नदी संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कालेज में जल साक्षरता सर्टिफिकेट कोर्स के कोऑर्डिनेटर हैं।

नव वर्ष के प्रथम दिवस चंदापुर मंदिर में संपन्न होगा 108 बार रुद्राष्टकम का पाठ

बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर रायबरेली में नववर्ष के प्रथम दिवस दिनांक 1 जनवरी 2026 को रामचरितमानस के उत्तर कांड दोहा नंबर 108 रुद्राष्टकम का पाठ 108 बार संपन्न किया जाएगा। दिनांक 1 जनवरी को पौष मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि है और प्रदोष तिथि है जो भगवान शिव को विशेष प्रिय तिथि है। प्रदोष तिथि पर प्रातः 9:30 बजे बाबा के दरबार में मुख्य यजमान डॉक्टर राजेश शुक्ला, उत्तम शुक्ला एवं डॉक्टर सृष्टि शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से पूजन अर्चन करते हुए रुद्राष्टकम का संकल्प लिया जाएगा। जिसमें सभी भक्त सम्मिलित हो सकते हैं और आहुतियां डाल सकते हैं। शाम 5:30 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक भजन संध्या का कार्यक्रम दृष्टि पांडे के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। रात्रि 7:30 बजे बाबा की भव्य आरती होगी और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

प्रतिभाशाली बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए कटिबद्ध है उप्र सरकार नंद गोपाल गुप्ता नंदी

प्रयागराज। केसरवानी वैश्य सभा के तत्वधान में आयोजित तीन दिवसीय 28 वीं निःशुल्क साहित्य कला विज्ञान नृत्य प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए केसरवानी वैश्य सभा इस प्रतियोगिता के माध्यम से जो मंच प्रदान कर रहा है वह अत्यंत सराहनीय कार्य है इसके लिए सभा के तमाम लोग बधाई के पात्र हैं। मंत्री नंदी जी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों को बहुत प्रेरणा देते हैं।इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं और मेरी सरकार जो भी कर सकती है मंत्री नंदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत में जो शक्ति अर्जित की है उसे देखकर दुनिया के तमाम देश अचंभित हैं और हमारे विरोधी दुश्मन देश थर थर कांपने लगे हैं क्योंकि आप भारत आतंकी घटनाओं को सहन नहीं करता घर में घुसकर मारने का दम रखता है। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए केसरवानी वैश्य सभा के पूर्व अध्यक्ष राम जी गुप्ता ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए सभा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है हम लोग समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को न केवल सम्मानित करते हैं वरन कमजोर बच्चों की आर्थिक मदद कर उनको आगे बढ़ने का भी कार्य करते हैं और आगे अन्य विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार विमर्श चल रहा है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करने में सर्वश्री दिनेश चंद्र गुप्ता एडवोकेट डॉक्टर अशोक गुप्ता हरिश्चंद्र गुप्ता भाई जी गोरखनाथ केसरवानी प्रमुख मंत्री सुनील केसरवानी कोषाध्यक्ष राकेश केसरवानी संगम लाल केसरवानी बैजनाथ केसरवानी धर्मशाला के प्रबंधक अनूप केसरवानी संयोजक राजेंद्र गुप्ता सभासद नीरज गुप्ता दिनेश केसरवानी चाकघाट दिनेश केसरवानी सुलेम सराय उदित केसरवानी जय प्रकाश संजय केसरवानी विवेक केसरवानी प्रेम नारायण आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया समापन समारोह में सत्य प्रकाश मिश्रीलाल अतुल केसरवानी अनिल केसरवानी झल्लर कुंवर जी केसरवानी राजेश केसरवानी भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी. सोनेलाल केसरवानी विजय केसरवानी राजेंद्र गुप्ता आदि भी मौजूद थे।

जिला अपराध निरोधक समिति के द्वारा माघ मेला को सफल बनाने के लिए और आए हुए श्रद्धालुओं के मदद के लिए समिति कैम्प कार्यालय का उद्घाटन

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज इकाई के माघ मेला कैम्प कार्यालय का आज पूर्व मंडलायुक्त आर.एस. वर्मा और पुलिस क्षेत्राधिकारी (परेड) जगदीश कालीरमन द्वारा उद्घाटन किया गया। जगदीश कालीरमन 'भारत केसरी' खिताब से सम्मानित अन्तरराष्ट्रीय पहलवान हैं तथा देश के प्रसिद्ध कुश्ती पुरस्कार विजेता मास्टर चंदगी राम के पुत्र हैं। मास्टर चंदगी राम को एशियाई खेलों में कुश्ती का स्वर्ण पदक, अर्जुन पुरस्कार तथा पद्मश से सम्मानित किया गया था।जिला अपराध निरोधक समिति पिछले 28-30 वर्षों से कुंभ एवं माघ मेला में अपने वॉलेंटियर्स के माध्यम से पुलिस प्रशासन को यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा शांति व्यवस्था में सहयोग प्रदान करती आ रही है। इस वर्ष भी समिति अपने 1000 वॉलेंटियर्स के साथ माघ मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में वॉलेंटियर्स टोली प्रमुखों को सचिव संतोष कुमार एवं संगठन मंत्री सतीश मिश्रा द्वारा उनकी ड्यूटी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि श्री जगदीश कालीरमन ने पुलिस को सहयोग के विशेष बिंदुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया तथा सभी को मेला ड्यूटी कार्ड वितरित किए।अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंडलायुक्त एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के वाइस चेयरमैन आर.एस. वर्मा ने सभी वॉलेंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि मेला आने वाले तीर्थयात्रियों की सेवा पुण्य कार्य है, जिसे पूर्ण लगन एवं परिश्रम से करना चाहिए। उन्होंने मुख्य अतिथि जगदीश कालीरमन एवं विशिष्ट अतिथि मौनी बाबा को धन्यवाद दिया।कार्यक्रम में लक्ष्मी कांत मिश्रा, वी.के. श्रीवास्तव, कुलदीप धर, संदीप सोनी, विशाल श्रीवास्तव, नैनी यूथ टीम से संदीप चंद्र श्रीवास्तव, विमल सक्सेना, सक्षम शर्मा, गौरव विश्वकर्मा, रमेश श्रीवास्तव, आकाश सिंह, नीरज मिश्रा, शिव प्रताप सिंह, अश्वनी कुशवाहा के साथ यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सिखों ने बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हिंसा की चिंता व्यक्त की

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने अपने सिख सहयोगियों के साथ आलोपीबाग चौराहा में बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हिंसा पर चिंता व्यक्त करते व सुरक्षा की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। कि बांग्लादेश में सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से हिंदुओं के जान माल की रक्षा सुनिश्चित हो सके जब बांग्लादेश बना तब वहां करीब 15प्रतिशत से 16प्रतिशत हिंदु थे बांग्लादेशी मे हिन्दुओ पर हिंसा पर चिंता व्यक्ति करने वालो मे सर्वश्री परमजीत सिंह बग्गा, गुरुदीप सिंह सरना, सरदार पतविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, परमिंदर सिंह बंटी,मनु सिंह चावला, लखविंदर सिंह,राजेंद्र सिंह ग्रोवर, जसवीर सिंह,हरजीत सिंह कथुरिया,रनदीप सिंह, त्रिलोचन सिंह, रौनक सिंह, हरमनजी सिंह सहित कई स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति उपस्थित रहे।

जिला अपराध निरोधक समिति नैनी यमुनानगर

आधुनिक समाचार

नैनी, प्रयागराज। जिला अपराध निरोधक समिति के यमुनानगर क्षेत्रीय कार्यालय में बुधवार को माघ मेला-2026 सेवा संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यमुनानगर यूथ टीम ने सभी सदस्यों के साथ मेला सेवा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के मुख्य बिंदुयूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा ने बताया कि माघ मेले में श्रद्धालुओं की पूर्ण सेवा सुनिश्चित होगी। भटके श्रद्धालुओं को लौटाना, सामान सुरक्षा, चोरी-छिनौती रोकथाम तथा स्नान के दौरान डूबने से बचाव जैसे कार्य टीम के जिम्मे होंगे। आवश्यकता पर प्रशासन का पूर्ण सहयोग लिया जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी संदीप चंद्र श्रीवास्तव ने समिति सेवाओं पर जानकारी दी।सदस्यों की भागीदारी सभी सदस्यों ने सक्रिय सुझाव दिए। आइडेंटिटी कार्ड वितरित कर केवल सेवा कार्य में उपयोग का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रभारी विमल सक्सेना, कार्यक्रम अधिकारी

सक्षम शर्मा, विनोद केसरवानी, गौरव विश्वकर्मा, अतुल सिंह, नीरज मिश्रा, अश्वनी कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, आकाश सिंह, शिव प्रताप सिंह, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद अरशद, आशु सिंह, ऋषभ सिंह, राम प्रकाश प्रजापति तथा नए सदस्य रमेश लाल श्रीवास्तव उपस्थित रहे।समिति माघ मेला की सफलता हेतु पूर्ण प्रतिबद्ध है। अधिक जानकारी हेतु संपर्कः मनीष विश्वकर्मा, यूथ टीम प्रभारी।

मानवता की ओर लौटने का पर्व क्रिसमस हुआ सम्पन्न

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। हर वर्ष क्रिसमस के आगमन पर यह एहसास होता है कि हमारी दुनिया भले ही तेज़ और स्मार्ट हो गई हो, लेकिन वह आवश्यक रूप से अधिक दयालु नहीं हुई है। हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ हमारी स्क्रीनें उज्ज्वल हैं, पर हमारी करुणा मंद पड़ती जा रही है। तकनीक ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन रिश्तों में दूरी भी बढ़ाई है। हमारे मोबाइल ऐप्स से भरे हैं, पर हमारे संबंधों में रिक्तता दिखाई

देती है।आज हमारे हाथों में स्मार्ट फोन हैं, लेकिन घरों में रिश्ते नाजुक हो गए हैं। बातचीत की जगह स्क्रॉलिंग ने ले ली है। हम संदेशों का उत्तर तुरंत देते हैं, पर सहानुभूति दिखाने में देर करते हैं। हम 'लाइक्स' गिनते हैं, रिश्ते खो देते हैं; हमारी टाइमलाइन भरी है, पर दिल खाली हैं। ऑनलाइन जीवन जीते हुए हम वास्तविक जीवन की उपेक्षा करने लगे हैं-पास बैठे व्यक्ति, ज़रूरतमंद पड़ोसी, बुजुर्ग और बच्चे।

इसी मानवीय टूटन के बीच क्रिसमस का संदेश हमें संबोधित करता है। यीशु का जन्म सादगी और असुरक्षा में हुआ और उनका आगमन गरीबों, पापियों और दबे-कुचलों के लिए आशा और मुक्ति का आश्वासन बना। यह संदेश आज भी धर्म की सीमाओं से परे लोगों को प्रेरित करता है और याद दिलाता है कि कोई भी उपेक्षित नहीं है। क्रिसमस हमें सिखाता है कि करुणामय समाज गति या सफलता से नहीं, बल्कि देखभाल और जुड़ाव से बनता है।अनुभव बताता है कि करुणा बड़े कार्यों से नहीं, बल्कि छोटे मानवीय व्यवहारों से शुरू होती है-ध्यानपूर्वक सुनने, बिना शर्त क्षमा करने और खुशी से बाँटने से। ऐसे सरल कार्य रिश्तों को जोड़ते और विश्वास को पुनर्स्थापित करते हैं। विविध समाज में क्रिसमस के मूल्य-शांति, सद्भावना, उदारता और सेवा सभी के लिए हैं। इस क्रिसमस, यदि हम अपनी पूर्ण और करुणामय उपस्थिति को उपहार बना सकें, तो हम एक अधिक मानवीय और जुड़ा हुआ समाज बना सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक माघ मेला के निर्देशन में प्रथम स्नान पर्व से पूर्व जल-जनित आपदाओं से निपटने हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

आधुनिक समाचार

प्रयागराज।माघ मेला-2026 के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक माघ मेला श्री नीरज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में माघ मेला क्षेत्र के प्रमुख स्नान घाटों पर आपातकालीन आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में जल पुलिस, एनडीआरएफ तथा पीएसी (बाढ़ राहत दल) की संयुक्त टीमों द्वारा सहभागिता की गई। अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जल क्षेत्र में किसी भी संभावित आपात स्थिति, विशेषकर नाव संचालन में लापरवाही अथवा सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की स्थिति में, राहत एवं बचाव कार्यवाही त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी ढंग से की जा सके। अभ्यास के दौरान यह प्रदर्शित किया गया कि यदि किसी कारणवश नाव अनियंत्रित होकर पलट जाती है, तो किस प्रकार राहत एवं बचाव दल द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला जाता है। साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय, संचार व्यवस्था एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग का भी परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि माघ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण सतर्कता के साथ सुनिश्चित की जा रही हैं।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के माघमेला शिविर का हुआ भूमि पूजन

प्रयागराज। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के माघमेला शिविर का विधिवत भूमि पूजन सोमवार को हुआ। वेदपाठी ब्राह्मणों के ब्राह्मणत्व एवं संस्थान के क्षेत्रीय संयोजक एवं वरिष्ठ प्रचारक अमरनाथ के नेतृत्व में शिविर का भूमि पूजन हुआ। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष नागेंद्र जायसवाल सपत्नीक यजमान के रूप में उपस्थित रहे। भगवान श्री नारायण के स्मरण एवं प्रथम आराध्य गणपति की स्तुति एवं हवन तथा भगवान के जयकारा से सभा स्थल गुंजित हो उठा। भगवान के प्रसाद को ग्रहण करते हुए संस्थान ने संकल्प लिया कि माघ मेला के प्रत्येक शिविर में वन्दे मातरम एवं गीता का सस्वर पाठ नित्य होना चाहिए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक अमरनाथ, भारत स्काउट गाइड विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ योगेश त्रिपाठी, डॉ सुशील सिन्हा, संजय शुक्ला, नागेंद्र जायसवाल, गंगा दत्त जोशी, भोला तिवारी, वंदना तिवारी, अरुण दुबे, अनीता तिवारी, पवन दुबे, सौरभ दुबे, अमित तिवारी, सुरेश यादव, सुनीता सिंह, आकाश पाण्डेय, भाव्यांश अग्रवाल, राहुल पाण्डेय, मनीष द्विवेदी आदि रहे।

मेला प्रशासन की लचर व्यवस्था से साधु-संत आक्रोशित, जमीन आवंटन में मनमानी का आरोप

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। मेला क्षेत्र में जमीन एवं मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर साधु-संत सुबह से शाम तक लगातार बैठे रहे। साधु-संतों का आरोप है कि मेला के जितने भी अधिकारी मौके पर आए, वे केवल फॉर्म लेकर हस्ताक्षर कर आश्वासन देते रहे, लेकिन समस्याओं का कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

साधु-संतों का कहना है कि मेला अधिकारियों और प्रशासन को बार-बार फोन किए गए, मीडिया के माध्यम से भी संपर्क करने का प्रयास हुआ, लेकिन किसी भी अधिकारी ने फोन उठाना उचित नहीं समझा। हालात इतने बिगड़ गए कि कड़ाके की ठंड के बावजूद साधु-संतों को रात में भी धरने पर बैठकर प्रशासन को जगाने की कोशिश करनी पड़ी, परंतु प्रशासन मानो गहरी नींद में सोया रहा। आरोप है कि मेला प्रशासन की व्यवस्था पूरी तरह लचर रही और आज तक इसमें कोई सुधार नहीं हुआ। साधु-संतों का कहना है कि केवल उन्हीं लोगों के फोन उठे, जिनकी 'हनक' थी, और जमीन भी उन्हीं को आवंटित की गई। आम संतों, मीडिया कर्मियों और सामाजिक संगठनों की मांगों को लगातार नजरअंदाज किया गया। साधु-संतों और मीडिया कर्मियों ने मेला प्रशासन से मांग की है कि जमीन आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए, लंबित आवेदनों पर शीघ्र निर्णय लिया जाए और सभी को समान अधिकार के साथ सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

महिला की पिटाई, तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

प्रतापगढ़। महिला की पिटाई को लेकर उदयपुर पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के समगढ़ा मंगापुर निवासी प्रदीप यादव की पत्नी रोशनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सत्ताईस दिसंबर को रात साढ़े आठ बजे वह घर पर मौजूद थी। इस बीच पुरानी रंजिश को लेकर पीड़िता के जेठ श्यामबाबू पुत्र रामनरेश तथा रायबरेली जिले के डीह थाना के बोझी पूरे पाण्डेय गांव निवासी जेठ के साले तेजभान पुत्र सन्नू दरवाजे पर आकर गालीगलौज करने लगे। मना करने पर आरोपी पीड़िता पर हमलावर हो उठे। बीचबचाव को पीड़िता की जेठानी सावित्री व परिजन आये तब आरोपियों ने इन्हें भी मारापीटा। आरोपी की ललकार पर उसकी पत्नी शिवकुमारी द्वारा भी पीड़िता के साथ मारपीट की गयी। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये।

मंडल आयुक्त प्रयागराज पुलिस कमिश्नर प्रयागराज जिलाधिकारी प्रयागराज ने की प्रेस वार्ता

आधुनिक समाचार

प्रयागराज।संगम नगरी प्रयागराज में 15 फरवरी तक चलने वाला माघ मेला 3 जनवरी यानि कल से शुरू हो रहा है महा माघ मेला का कल पौष पूर्णिमा का पहला स्नान पर्व है जिससे महा माघ मेले की शुरुआत कल होगी और पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व से पहले मेला प्राधिकरण में आई ट्रिपल सी सभागार में मंडल आयुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल पुलिस कमिश्नर प्रयागराज जोगेंद्र कुमार और जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता की है और प्रेसवार्ता करते हुए कल पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा की तैयारी के बारे में पूरी जानकारी देते हुए बताया है। माघ मेला के लिए 800 हेक्टेयर में टेंट सिटी बसाई जा चुकी है।ये 2024 के माघ मेला से ज्यादा भव्य है, पिछले मेला से 32 हेक्टेयर ज्यादा एरिया में फैला हुआ है। इस बार 15 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है, जबकि 2024 में 6 करोड़ लोग माघ मेला आए थे। 2025 में महाकुंभ होने की वजह से माघ मेला नहीं लगा था। स्नान के लिए त्रिवेणी संगम के साथ अरैल घाट और दारागंज घाट पर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती मनी

वक्ताओं ने माल्यार्पण कर किया याद, मार्ग का अनुसरण करने का लिया संकल्प
रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सभागार में हुआ आयोजन

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सभागार में शनिवार को भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले जी की 195वीं जयंती मनाई गयी। वक्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें याद किया और उनके मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प दिलाया।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले उस दौर में लड़कियों की शिक्षा की नींव रखी जब समाज इसका घोर विरोध करता था, उन्हें लोगों द्वारा पत्थर मारे गए, उनका अपमान और उनके साथ भेदभाव किया गया, लेकिन उन्होंने शिक्षा को हथियार बनाकर महिला सशक्तिकरण की ऐतिहासिक शुरुआत की थी।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले एक बहादुर समाज सुधारक थीं। उन्होंने ऐसे समय में महिलाओं की शिक्षा के लिए लड़कर भारतीय इतिहास का रुख बदला, जब लड़कियों को पढ़ने का अधिकार नहीं था। उनका संघर्ष केवल शिक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि समानता और मानवता के लिए भी था। यही वजह थी कि कई बार समाज के लोगों ने उनका अपमान किया, पत्थर फेंके, लेकिन वह रुकी नहीं। अपना मिशन जारी रखा। लड़कियों और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए स्कूल खोले। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट व संचालन महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर राजेश मौर्य, विजय बहादुर सिंह, सुरेश कुशवाहा, अशोक जालान, कामता यादव, टीटू गुप्ता, शांति वर्मा आकृति, निर्भया,सरस्वती, पूजा सिंह, बिंदु, शैलेन्द्र कुमार, राजकुमार पटेल,नवीन पाण्डेय,मो याकूब, यजमी बेगम आदि मौजूद रही।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, परिचित राजमिस्त्री और साथियों पर आरोप

सोनभद्र। जनपद के ओबरा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य वारदात सामने आई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। आरोप है कि जीवनयापन के लिए मजदूरी करने वाली एक किशोरी को उसके ही परिचित राजमिस्त्री ने बहला-फुसलाकर अगवा किया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर अपने दो अन्य साथियों को बुला लिया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने किशोरी के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि हैवानियत के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया ताकि वह किसी को जानकारी न दे सके। घटना करीब तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। मामले की सूचना मिलने पर तत्काल डायल 112 मौके पर पहुंची और पीड़िता को सुरक्षित उसके घर पहुंचाया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया है और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया है। ओबरा पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है।

एडवा सीटू दलित शोषण मुक्ति मंच के कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाई सावित्रीबाई फुले की जयंती

आधुनिक समाचार
देव मणि शुक्ल

नोएडा, प्रथम भारतीय महिला शिक्षिका, महिलाओं तथा वंचित वर्गों की शिक्षा और समानता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाली महान समाजसेविका एवं महिला सशक्तिकरण की प्रतीक सावित्रीबाई फुले की जयंती 3 जनवरी 2026 को सीटू कार्यालय सेक्टर- 8, नोएडा पर जनवादी महिला समिति, दलित शोषण मुक्ति मंच, सीपीआई(एम) सी. आई. टी. यू. कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से धूमधाम के साथ मनाई।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडवा दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष आशा यादव ने कहा कि जबरदस्त सामाजिक विरोध के बावजूद सावित्रीबाई फुले ने विधवा विवाह, छुआछूत का विरोध दलित और महिलाओं की मुक्ति के लिए मिशन चलाया! सीटू जिला महासचिव रामस्वारथ ने कहा कि महिला अधिकारों के लिए रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़कर सावित्रीबाई फुले ने आंदोलन खड़ा किया था! दलित शोषण मुक्ति मंच के नेता भीखू प्रसाद ने बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 में हुआ था उन्होंने खुद

शिक्षित होकर 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश के सबसे पहले बालिका स्कूल की स्थापना की थी उन्होंने बताया कि जब वह लड़कियों को पढ़ाने के लिए स्कूल जाती थी तो रास्ते में लोग उन पर गंदगी और कीचड़ फेंकते थे लेकिन इस सबके बावजूद भी उन्होंने हार नहीं मानी! माकपा जिला सचिव रामसागर व सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़कर महिलाओं के लिए शिक्षा का अलग जगाया और महिला अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया ऐसी महिला को हम नमन करते हुए उन्हें याद करते हैं साथ ही इस अवसर पर उन्होंने उनके जन्मदिन की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर महिला समिति की नेता रेखा चौहान, गुड़िया देवी, पिंकी, सरोज देवी, गीता, सीटू नेता भरत डेंजर, अरुण कुमार, शंभू , माकपा नेता शिवजी कुशवाहा, हरकिशन सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता आर.बी. सिंह आदि ने उन्हें नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

सोनभद्र बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रथम दिन अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र क्रय किया, जिनमें उमेश कुमार मिश्रा, हेमनाथ द्विवेदी, शेष नारायण दीक्षित उर्फ बबलू दीक्षित और अशोक प्रसाद श्रीवास्तव शामिल हैं।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों गोविंद प्रसाद मिश्र और अजय कुमार द्विवेदी ने नामांकन पत्र क्रय किया। महामंत्री पद के लिए अरुण कुमार सिंघल ने पर्चा लिया। सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के 6 पदों के लिए परवेज अख्तर खान ने नामांकन पत्र क्रवाया, जबकि सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष के नीचे के 6 पदों के लिए दिनेश धर दुबे और आशुतोष पाठक ने नामांकन पत्र क्रवाया।

निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि नामांकन पत्रों का वितरण तीन जनवरी और पांच जनवरी को दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक किया जाएगा। नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पांच और छह जनवरी को निर्धारित की गई है, जिसका समय भी दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक रहेगा।

पुरातन और नूतन ही हमारी पहचान भूपेश

आधुनिक समाचार

विधायक खेल महाकुंभ 2025.26 के चौथे दिन कैनवस क्रिकेट मैच का हुआ मुकाबला सोनभद्र विधायक खेल महाकुंभ के चौथे दिन कैनवस क्रिकेट मैच का शानदार मुकाबला छह टीमों के बीच हुआ। कुछ पुरातन खेल भी आयोजित किए गए जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे इस मौके पर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि पुरातन और नूतन ही हमारी पहचान है पुरातन और नूतन जब मिलते हैं तो एक नयासृजन होता है । इसलिए युवाओं को यह जरूर ध्यान देना चाहिए की कभी भी पुरातन की उपेक्षा नहीं होनीचाहिएपहला मुकाबला संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल व प्रकाश जीनियस स्कूल के बीच हुआ। इस मैच का टॉस पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा के द्वारा कराकर मैच का शुभारंभ किया गया ,प्रकाश जीनियस की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट खोकर शानदार प्रदर्शन करते हुए 154 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, प्रकाश जीनियस की तरफ से हेमंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए।

जाप कार्यकर्ताओं ने मनाया भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले का जन्मदिन

आधुनिक समाचार

सोनभद्र, राबट्र्सगंज आज दिनांक 03 जनवरी 2026 दिन शनिवार को राबट्र्सगंज के सिंचाई डाक बंगला में जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा एवं संस्थापक तथा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा जी के निर्देशानुसार पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका महान समाज सेविका क्रांतिज्योति माता सावित्री बाई फुले की जयंती धूम धाम से मनाया ।

कार्यक्रम की शुरुआत सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ भागीरथी सिंह मौर्य प्रदेश प्रमुख महासचिव जन अधिकार पार्टी ने कहा कि माता सावित्री बाई फुले ने महिलाओं के लिए शिक्षा का मार्ग खोला, और दलित व महिलाओं को शिक्षित करने के लिए आजीवन संघर्ष किया उन्होंने विधवा

पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया, बाल विवाह का विरोध करते हुए सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और स्त्यशोधक समाज के माध्यम से सामाजिक समानता और न्याय के लिए आजीवन काम किया जिससे माता सावित्री बाई फुले को भारत का प्रथम शिक्षिका कहा जाता है ।

विशिष्ट अतिथि सुमंत सिंह मौर्य मंडल प्रभारी वाराणसी ने कहा कि माता सावित्री बाई फुले महिलाओं के लिए पहला स्कूल 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में खोला और उन्होंने पुणे में महिलाओं के लिए कुल 18 स्कूल खोलने का काम किया जब वे स्कूल जाती थी तो मनुवादी लोग उनके ऊपर गोबर, कीचङ फेंका करते थे परंतु वे अपने रस्ते से विचलित नहीं हुई और महिलाओं, पिछड़ों, आदिवासियों के लिए आजीवन संघर्ष करती रही

जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य एवं मंडल सचिव श्रीपति विश्वकर्मा ने कहा कि सावित्री बाई फुले को भारत में महिला शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है जिन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने के साथ ही समानता के लिए वकालत किया, सावित्री बाई फुले समाजसेवा के साथ साथ प्लेग नामक बीमारी से ग्रसित मरीजों की सेवा करने का काम करती थी और इसी दौरान प्लेग की चपेट में आने के कारण1897 में पुणे में उनका निधन हो गया जो भारत देश के लिए अपूर्णीय छती रहा । जयंती समारोह में महिला प्रकोष्ठ की मंडल प्रभारी किरण कुशवाहा, मंडल सचिव श्रीपति विश्वकर्मा, जिला सलाहकार रामनारायण प्रजापति, लक्ष्मण सिंह, मुलायम मौर्य, अतुल प्रियदर्शी, मनोज कुमार, जय प्रकाश सिंह, सुभाष मौर्य, राकेश कुमार, चंद्रमा सिंह, बंशीलाल, डॉ जय प्रकाश, बासुदेव, मोहम्मद आमीन, भागवत सिंह, बृजेश मौर्य सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य एवं संचालन जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर आजाद ने किया ।

लेखपालों व एटीएम/बीटीएम सर्वेयर को डिजिटल क्रॉप सर्वे के बारे दिया गया प्रशिक्षण

आधुनिक समाचार

रायबरेली। संयुक्त कृषि निदेशक स्टेट कृषि नोडल ऑफीसर (डिजिटल एग्रीकल्चर) उ0प्र0 कृषि भवन लखनऊ व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार एग्रीस्टैंक योजनान्तर्गत ई खसरा पडताल हेतु तहसील सदर,

रायबरेली के सभागार में नायब तहसीलदार शमीम व जनपद में तैनात ऊ.श.ऊ (ऒूग्रूशै ऊॅग्ही) वरिष्ठ प्रा0सहा0 कृषि विभाग पंकज शुक्ला व ई-डीएम शंकर कुमार द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे (ई खसरा पड़ताल) के बारे में समस्त लेखपाल, कृषि विभाग से समस्त एटीएम/बीटीएम सर्वेयर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि संबंधित फसल के सर्वेक्षण का कार्य किसान क्रेडिट कार्ड (ख्ण्ण), फसल बीमा की क्षतिपूर्ति एवं फसलों का डिजिटाइजेशन को सफल बनाने हेतु शासन द्वारा 05 जनवरी से पोर्टल के माध्यम से सक्रीय किया जायेगा तथा सर्वेयर को यह भी बताया गया कि शासन द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 15 फरवरी, 2026 तक पूर्ण किया जाना है।

महानिदेशक परिवार कल्याण ने महिला चिकित्सालय व सीएससी बछरावां का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

आधुनिक समाचार

रायबरेली। महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ0 पवन कुमार अरुण द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां व जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। महानिदेशक डॉ0 पवन कुमार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के निरीक्षण के दौरान हृदय रोगियों को दी जा रही स्टेमी की सुविधा की प्रशंसा की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दी जा रही अन्य सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा साफ सफाई रखने की विशेष निर्देश दिए। अधीक्षिका सामुदायिक स्वास्थ्य बछरावां डॉ अर्पिता श्रीवास्तव से मरीज को दी जा रही स्वास्थ्य संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा पूरे अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को दी जा रही सुविधाओं को देखा गया तथा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

इसके उपरांत महानिदेशक द्वारा महिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एस0एन0सी0यू0, लेबर रूम, ओ0टी0टी0, महिला वार्डो का निरीक्षण किया तथा मरीजों से अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। अधीक्षक जिला महिला अस्पताल को निर्देशित किया कि सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ अस्पताल आ रहे मरीजों को प्रदान किया जाए और बाहर से जांच या दवाएं खरीदने हेतु किसी भी कीमत पर न लिखा जाए। अस्पताल में भर्ती मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल की साफ सफाई उपकरणों की क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश यादव, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी0एस0 अस्थाना, डा निर्मला साहू, अधीक्षक डा मृणालनी, अस्पताल मैनेजर डॉ प्रभात मिश्रा, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव, एआरओ छत्रसाल मिश्र, बृजेश सहित समस्त सीएचसी स्टाफ मौजूद रहा।

डीएम के निर्देशानुसार ठंड व शीतलहर के दृष्टिगत अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार जनपद की समस्त तहसीलों में अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर स्थाई और अस्थाई रैन बसेरों का निरीक्षण किया, साथ ही चिन्हित अलाव प्वाइंटों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।जनपद में आज अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और संबंधित कार्मिकों को निर्देश दिए गए कि कोई भी व्यक्ति खुले स्थान पर न रहे, भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित कराया जाए, यदि कही पर कोई ऐसा व्यक्ति दिखाई दे तो उसको पास के रैन बसेरा में आश्रय दिलाई जाए।इसके अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था भी की गई है ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके।कंबल वितरणः जनपद में आज विभिन्न स्थलों पर शीतलहर से बचाव हेतु जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया, इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव ने लालगंज तहसील क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए।

पुलिस का मिशन शक्ति 5.0ः महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए व्यापक अभियान

सोनभद्र। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत सोनभद्र पुलिस ने व्यापक और सघन जन-जागरूकता अभियान चलाया है। इस

अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा, सतर्कता और आत्मरक्षा का संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी के कुशल नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नफरत का जाम मुझसे तो ढाला न जाएगा,ये काम मेरे दिल से सम्भाला न जायेगा

मधुरिमा साहित्य गोष्ठी का 64वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ संपन्न, कड़ाके की ठंड में पूरी रात कवियों को सुनने डटे रहें श्रोता

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। रावट्र्सगंज के आरटीएस क्लब मैदान में विगत छः दशकों से प्रति वर्ष आयोजित होने वाला मधुरिमा साहित्य गोष्ठी का सारस्वत महायज्ञ 64 वें सफल आयोजन को पूर्ण कर इतिहास में दर्ज हो गया लगभग 90 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे साहित्यकार पं0 अजय शेखर ने आज से 64 वर्ष पूर्व 26 वर्ष की आयु में इस सारस्वत महायज्ञ के अनुष्ठान का संकल्प लेकर अपनी साहित्यिक साधना सुरु की जो रजत जयन्ती, स्वर्ण जयन्ती, हीरक जयन्ती मनाने के पश्चात अब अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का यह आयोजन 65 वें वर्ष में प्रवेश कर नीलम जयन्ती वर्ष के साथ अनवरत साधना से सिद्धि को प्राप्त कर चुका है।

सर्द मौसम में बादल और घने कोहरे की चादर ओढ़े शुक्रवार की शाम को रावट्र्सगंज का आरटीएस क्लब मैदान अपने अतीत को समेटे वर्तमान के साथ भविष्य की इबारत को लिखते हुए मधुरिमा साहित्य गोष्ठी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कविता, गीत, गजल, मुक्तक, छन्द और शेरो शायरी की शानदार प्रस्तुतियों के बीच आह-आह और वाह- वाह के दाद के साथ तालियों के गड़गड़ाहट से गुलजार रहा।

मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के उप निदेशक आशुतोष पाण्डेय मुन्ना के संयोजन में आयोजित 64 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन जाने माने गीतकार मनमोहन मिश्र के अध्यक्षता और नगर पालिका परिषद रावट्र्सगंज की अध्यक्ष रूबी प्रसाद के मुख्यातिथ्य में सपन्न हुआ, जिसका संचालन वाराणसी से आये हास्यकवि नागेश सांडिल्य ने किया।

कार्यक्रम का आगाज लोक भाषा के सुप्रसिद्ध गीतकार जगदीश पंथी द्वारा मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के स्वर्णिम अतीत पर विषय प्रवर्तन व आगन्तुकों के स्वागत सम्मान के साथ गीतकार ईश्वर विरागी के वाणी वन्दना से किया गया। हास्य व्यंग्य के कवि अजय चतुर्वेदी कक्का ने - जनम क पापी नाम धरम चन्द,मारी के पउवा देवता तारइं छ -छ अण्डा सांझ सबेरे, पण्डा क मेहरारू झारैं की प्रस्तुति से गुदगुदाकर श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। वाराणसी से चल के आये डॉ. धर्म प्रकाश मिश्र ने- कौन कहता कि गिद्ध भारत से लुप्त हुए पेड़ों के बजाय कुर्सियों पर पाए जाते हैं त्रेता वाला गिद्ध सीता माता हेतु जान दिया

कलयुग के गिद्ध सीताओं को नोच खाते हैं सुनाकर राजनीति पर करारा प्रहार किया वहीं चंदौली से चल के आये गीतकारमनोज द्विवेदी मधुर ने अपनी रचना- सबने चाहा था जैसे मैं चला ही नहीं सबके बहकावे में ढला ही नही मैं जमाने की नजरों में नाकाम हूँ क्योंकि मैंने किसी को छला ही नही सुनाकर समां बांध दिया। ओज के कवि प्रभात सिंह चन्देल ने अपने हिस्से का काव्य पाठ करते हुए राष्ट्रवाद से ओत प्रोत रचना - हो जाऊं कुर्बान अगर माँ भारती के चरणों मे, मेरे मस्तक पर मेरा भारत महान लिख देना-- पूजा अरदास यही प्रार्थना इबादत है, इसके न मध्य राजनीति को ले आइये। राजद्रोह को जो कह राष्ट्रद्रोह दमन करे, भ्रष्ट नेता नगरी की लंका को जलाइए। सुनाकर दिलों

में देश भक्ति का भाव भरा तो पूरा सदन भारत माता के जयकारे से गूंज उठा। सोनभद्र की कवियित्री डा.रचना तिवारी ने डॉ. रचना तिवारी ने अपनी रचना- जो मौसम आतिशी कर दे सराफत हो नही सकती धर्म के नाम पर दंगा इबादत हो नही सकती शहीदों की शहादत को कलंकित करने वाले सुन सियासत से कभी मां की सिकायत हो नही सकती की प्रस्तुति से आयोजन में चार चांद लगा दिए।

सोनभद्र से शायर अब्दुल हई ने अपना कलाम हम बेगाने हो गए सुनकर श्रोताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। कवि सुधाकर स्वदेश प्रेम ने यह भारत देश है मेरा सुनाया तो वहीं म्योरपुर से आये यथार्थ विष्णु ने हम जगमग करते हैं सबको रहते भले अंधेरे में नाम हमारा सोनभद्र है दीपक जैसी हालत है सुनाकर सोनभद्र का दर्द साझा किया तो कमल नयन त्रिपाठी ने - सुरुरे इश्क था मुझ पर जग से ना समझ भी थे नजर में जो चढ़ाया था नरों ने वो उतारी भी सुनाकर वाहवाही लूटी वहीं विवेक चतुर्वेदी ने अपनी प्रस्तुति - आप जैसों का तलबगार नही हो सकता दोस्त हो सकता हूँ मगर यार नही हो सकता तालियां बटोरी। लीलासी से चल के आये लखन राम जंगली विस्थापितों के दर्द को उकेरते हुए अपनी रचना - जंगली के घर बिछ गईस कारखानन के जाल। 'जंगली' जंगली रह गईस बाकी माला-माल सुनाकर व्यवस्था को आड़े हाथों लिया। लखनऊ से चल के आये देश के जाने माने गीतकार डा.सुरेश ने - बीत जाएंगे - ये कुहांसे भरे दिन भी बीत जाएंगे तू चला चल पथिक निश्चल अब न घबराना पांव चलकर एक दिन मंजिल को पाएंगे सुनाकर आयोजन को ऊंचाई प्रदान की। वाराणसी से आये सलीम शिवालवी ने- जल रहे हैं सितम अंगारे हम न भागेंगे खौफ के मारे जंग हारे हैं है मलाल इसका हम अभी हौसला नही हारे सुनाकर लोकतंत्र को आइना दिखाया तो वहीं संचालक नागेश सांडिल्य ने अपनी हास्य रचना सुनाकर- एक दिन पूछा मैंने श्री गणेश बोलें आप वाहन में आपके ये कैसी बेहिसाबी है आप हैं विशालकाय वाहन है लघुरूप मूसक से मिल रही ये कैसी कामयाबी है सुनाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया गोरखपुर से चल के आये गीतकार मनमोहन मिश्र ने अध्यक्षीय काव्यपाठ करते हुए- नफरत का जाम मुझसे तो ढाला न जाएगा ये काम मेरे दिल से सम्भाला न जायेगा औकात जानता हूं मैं अपने सउर का कीचड़ किसी पर मुझसे उछाला न जायेगा।सुना कर आयोजन को शिखर पर पहुंचा दिया और मधुरिमा कविता, मुक्तक, छंद व गीत गजलों को गुनगुनाते हुए श्रोताओ के जेहन में अपनी अमिट छाप छोड़ गयी। उक्त अवशर पर पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रावट्र्सगंज कृष्ण मुरारी गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकारी सीओ सिटी रणधीर मिश्रा, समाज व साहित्य सेवी अनु विलियम (बेल्जियम), वनवासी सेवा आश्रम गोविन्दपुर से ड़ा. विभा बहन, विमल भाई, जगत भाई, देवनाथ भाई, शिव सरन भाई, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश द्विवेदी, जगदीश मिश्रा, गोपाल स्वरुप पाठक, विनय गोयल, धीरज पाण्डेय, शैलेन्द्र चौबे, जय शंकर भारद्वाज पत्रकार वृजेश कुमार शुक्ला, मोनू गुप्ता, मुनी महेश शुक्ल, अमित मिश्रा, विकास द्विवेदी, ज्ञान प्रकाश चतुर्वेदी, गिरीश पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभाकर श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, आनन्द मिश्र, समाजसेवी संदीप सिंह चन्देल, विन्देश्वरी श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रसाद, मंजेश सिंह, भाजपा पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष बलराम सोनी, गौरव शुक्ला, विनोद सोनी, व्यापार मण्डल से चन्दन केसरी, आशीष केशरी, श्याम मोहन पाण्डेय, प्रमोद यादव समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सम्पादकीय

दिल्ली में नहीं चलेगा चाइनीज प्लान, पेइचिंग ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया, हमारी चुनौतियां अलग

दिल्ली के वायु प्रदूषण पर चीन के सुझावों को लेकर शोधकर्ताओं ने पेइचिंग मॉडल का अध्ययन किया है। चीन ने कम समय में वायु गुणवत्ता में सुधार किया है। भारत को चीन के अनुभवों से सीखना चाहिए, लेकिन अपनी परिस्थितियों के अनुसार समाधान खोजना होगा। पेइचिंग मॉडल की नकल भारत में संभव नहीं है। दिल्ली के प्रदूषण को लेकर सोशल मीडिया पर आजकल खूब चुटकी ली जा रही है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता का हालिया ट्वीट भी ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि पेइचिंग को जिन तरीकों से वायु प्रदूषण से मुक्ति मिली, वे तरीके वह दिल्ली को बता सकती हैं। मगर यह बिना मांगे और बेकार का सुझाव है। मैंने और भारत के कई दूसरे रिसर्चर्स ने भी पेइचिंग के प्रदूषण और उसमें आई कमी को देखा है। हमने 'पेइचिंग मॉडल' का अध्ययन किया है। इसकी कामयाबी और सीमाओं को समझा है। सबसे पहले तो यह मानना जरूरी है कि चीन से आने वाली सूचना कभी पूरी नहीं होती और उस पर सख्त सरकारी नियंत्रण होता है। पेइचिंग के बारे में जानकारी नहीं मिलती कि प्रदूषण नियंत्रण पर उसे कितना पैसा खर्च करना पड़ा। प्राइवेट सेक्टर पर कैसी जिम्मेदारी डाली गई? प्रदूषण कम करने के लिए नियमों का पालन कैसे कराया गया और इन सबकी सामाजिक लागत क्या रही? इसमें कोई संदेह नहीं कि पेइचिंग ने कम वक्त में एयर क्वॉलिटी में काफी सुधार किया। भारत उसके अनुभवों से सीख सकता है और सीखना भी चाहिए, लेकिन इसका मतलब नकल करना नहीं है। हमें साफ तौर पर समझना होगा कि क्या लागू किया जा सकता है और क्या नहीं। यह भी देखना होगा कि भारत की समस्या किस तरह से अलग है और उसके लिए कौन-से समाधान चाहिए। चीन ने पेइचिंग-तिआनजिन-हेबेई में एक साथ काम किया। यह इलाका करीब 2.2 लाख वर्ग किमी में फैला है। इसके तहत दो केंद्र शासित क्षेत्र हैं - पेइचिंग और तिआनजिन, जबकि हेबेई प्रांत में 11 शहर आते हैं। इसलिए इस काम के लिए आपसी तालमेल चुनौतीपूर्ण था, लेकिन वहां प्रशासनिक ढांचा सरल है इसलिए यह मुमकिन हो पाया। दिल्ली में इसी तरह का मॉडल लागू करना कहीं ज्यादा मुश्किल है। यहां योजना को असरदार बनाने के लिए 150 किमी का एरिया शामिल करना होगा। इसमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के इलाके आ जाएंगे। दिल्ली में ही तीन स्तरों पर शासन चलता है - केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय। ऐसे में यहां नया प्रशासनिक मॉडल बनाना पड़ेगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ई के मामले में भी पेइचिंग से कुछ सबक सीखा जा सकता है। उसने उत्सर्जन मानक कड़े कर दिए, साफ ईंधन अपनाया और पुराने वाहनों को हटा दिया। दिल्ली में भी ये उपाय किए जा रहे हैं, पर उतनी सफलता नहीं मिली है। एक बड़ा फर्क यह है कि पेइचिंग ने निजी वाहनों की बढ़ोत्तरी पर सख्ती से रोक लगाई। पेइचिंग ने कोयले का इस्तेमाल 90प्रतिशत तक घटा दिया और पावर प्लांट पर सख्त नियंत्रण लगाया है।

रंपरा से खिलवाड़! पुरी जगन्नाथ मंदिर ने पीएम मोदी का खींचा ध्यान

रेनू तिवारी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, गजपति महाराजा ने इस्कॉन द्वारा गैर निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकाले जाने की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को दे दी है।

पुरी के नाममात्र के राजा, गजपति महाराजा दिब्यसिंह देव ने सोमवार को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस पर श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ 'गलत जानकारी' फैलाने का आरोप लगाया और धार्मिक विद्वानों और भक्तों से 'असमय' रथ यात्रा आयोजित करने का विरोध करने का आह्वान किया। 'जगन्नाथ संस्कृति' का मतलब ओडिशा के मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ की पूजा से जुड़ी परंपराएं, रीति-रिवाज और दार्शनिक मान्यताएं हैं। पुरी के प्रतीकात्मक राजा गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 'गैर परंपरागत तिथियों पर' आयोजित करने की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान आकर्षित किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस्कॉन ने गजपति महाराजा को सूचित किया है कि व्यवस्थागत समस्याओं के कारण

विभिन्न देशों में एक ही तिथि पर रथ यात्रा आयोजित करना संभव नहीं है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, गजपति महाराजा ने इस्कॉन द्वारा गैर निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकाले जाने की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को दे दी है। वे भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा आयोजित करने के संबंध में शास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। महाराजा दिब्यसिंह देब ने सोमवार को इस्कॉन पर श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया और धार्मिक विद्वानों एवं श्रद्धालुओं से रथयात्रा के तय समय के अलावा आयोजन का विरोध करने का आह्वान किया। जगन्नाथ संस्कृति से तात्पर्य ओडिशा के प्रमुख देवता भगवान जगन्नाथ की पूजा से संबंधित परंपराओं, अनुष्ठानों और दार्शनिक मान्यताओं से है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) के अध्यक्ष और पुरी मंदिर के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय के अध्यक्ष देब ने कहा कि शास्त्रों द्वारा स्वीकृत तिथियों के अलावा अन्य तिथियों पर रथ यात्रा का आयोजन करना स्थापित परंपरा से गंभीर विचलन है और जगन्नाथ संस्कृति की पवित्रता के लिए खतरा पैदा करता है। भगवान जगन्नाथ के पहले सेवक माने जाने वाले देब की ये टिप्पणियां इस्कॉन के उस बयान के संदर्भ में आई हैं जिसमें कहा गया है कि रसद संबंधी समस्याओं के कारण विभिन्न देशों में एक ही तिथि पर रथ यात्रा आयोजित करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, समय से पहले रथ यात्रा का आयोजन करना एक गंभीर विचलन है। इस्कॉन, शास्त्रों और श्री जगन्नाथ परंपरा का उल्लंघन कर रहा है। इसने एक बहुत ही खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म दिया है जिसका अनुसरण अब अन्य लोग भी कर रहे हैं, जिससे जगन्नाथ संस्कृति की पवित्रता कमजोर हो रही है। गजपति महाराजा रविवार शाम को यहां श्री जगन्नाथ चेतना अनुसंधान संस्थान की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ओडिशा और पूरे देश के लोगों को जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार के नाम पर शास्त्रों के निर्देशों से विचलन के रूप में वर्णित कार्यों के प्रति आगाह किया। शास्त्रों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि (जून-जुलाई) को आयोजित की जाती है। हालांकि, इस्कॉन ने एसजेटीएमसी को लिखे पत्र में कहा है कि विश्व स्तर पर मनाई जाने वाली इस रथ यात्रा को किसी एक निश्चित तिथि पर आयोजित करना संभव नहीं होगा। हालांकि, संगठन ने पुरी के मूल पीठ की परंपरा के अनुरूप विश्व स्तर पर एक ही दिन स्नान पूर्णिमा का अनुष्ठान मनाने पर सहमति व्यक्त की। देब ने कहा, शास्त्रों द्वारा स्वीकृत न की गई तिथियों पर रथ यात्रा आयोजित करने की प्रथा श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ सबसे गंभीर गलत सूचना अभियानों में से एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा, जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार के नाम पर व्यापक उल्लंघन और गलत सूचनाओं का प्रसार हो रहा है। इस वर्ष अक्टूबर में इस्कॉन ने यह स्पष्ट किया कि वह शास्त्रों में निर्धारित तिथि के अनुसार रथ यात्रा का आयोजन नहीं करेगा। ओड़िया लोगों को शांतिप्रिय और सहिष्णु मानते हुए प्रतीकात्मक राजा ने कहा कि धार्मिक विद्वानों और भक्तों के लिए अपने विचार दृढ़ता से व्यक्त करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, चुप रहने से विचलन को और बढ़ावा मिल सकता है। यदि कड़ा विरोध नहीं किया गया तो अनियमित अनुष्ठान धीरे-धीरे सामान्य हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के साथ कई दौर की बातचीत से कोई परिणाम नहीं निकला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रथ यात्रा का पालन शास्त्रों में दिए गए निर्देशों और पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर की सदियों पुरानी परंपराओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए। एसजेटीएमसी को 19 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में इस्कॉन गवर्निंग बॉडी कमीशन के अध्यक्ष गोवर्धन दास ने कहा कि संगठन ने भारत और विदेश में स्थित अपने सभी मंदिरों में ज्येष्ठ पूर्णिमा की निर्धारित तिथि पर स्नान यात्रा मनाने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शास्त्रों और परंपरा द्वारा निर्धारित तिथि पर भारत के बाहर रथ यात्रा निकालने के एसजेटीएमसी के निर्णय से इस्कॉन सहमत नहीं हो सका।

अमेरिका की खनिजों को लेकर साम्राज्यवादी सोच

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नजर अब दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों की और है। ट्रम्प का यह अब यह छिपा एजेण्डा भी नहीं रहा क्योंकि यूक्रेन को सहायता के बदले उसकी खनिज संपदा के प्रबंधन का जिम्मा अमेरिका लेने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर लगातार दबाव ड़ाल रहे हैं। यूक्रेन 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका के साथ समझौता करने को भी लगभग तैयार हो गया पर पिछले दिनों जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रम्प और जेलेंस्की में जिस तरह की कड़बाहट भरी नोकझोंक हुई है उसने इस डील को फिलहाल तो कमजोर कर दिया है। हांलाकि यूक्रेन के जेलेंस्की ने यूरोप यात्रा के दौरान राष्ट्रहित में अमेरिका के साथ समझौता करने पर लगभग सहमति वाली बात कही है। उधर रुस नहीं चाहता कि इस तरह का कोई समझौता अमेरिका व रुस के बीच हो, यही कारण है कि रुस ने भी रुस की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका से समझौते के लिए खुला निमंत्रण दे दिया है। दरअसल अमेरिका स्वय खनिज संपदा संपन्न देष है। इसके साथ ही खनिज संपदा के मामलें में देखा जाए तो अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसके साथ ही अमेरिका खनिजों खासतौर से दुर्लभ खनिजों के मामलें में चीन का बर्चस्व चीन पर निर्भरता खत्म या यों कहे कम करना चाहता है। इसी कारण से दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों पर ट्रम्प की ललचाई नजर साफ दिखाई दे रही है। अभी पिछले दिनों ही ट्रम्प ने कनाडा को अमेरिका 51 वां राज्य कहकर संबोधित किया है। उधर कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो साफ साफ कह चुके हैं कि अमेरिका की नजर कनाड़ा की खनिज संपदा पर है और वह कनाड़ा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने के लिए दबाव बनाये हुए हैं। हांलाकि जस्टिन ट्रूडो इसको ट्रम्प का दिवा स्वपन ही बता रहे हैं। उधर अमेरिका एन केन प्रकारेण अफगानिस्तान में प्रवेश करना चाहता है जहां की खनिज संपदा को वह हथिया सके। हांलाकि तालिबानियों के रहते फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लग रहा है। यह दूसरी बात है कि अमेरिका-रुस के

बीच बन रहे नए समीकरणों का भविष्य क्या रहता है? इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। देखा जाए तो अर्वाचिन काल से ही खनिज संपदा का अपना महत्व रहा है। पर इलेक्ट्रोनिक युग में दुनिया के देशों के लिए खनिज संपदा का महत्व और मांग तेजी से बढ़ गई है। आज विकास की परिकल्पना को खनिजों की उपलब्धता के आधार पर ही साकार किया जा सकता है। नए युग की आवश्यकताओं की पूर्ति इन रेयर खनिजों से ही संभव हो पा रही है। एक समय था जब सोना, चांदी, तांबा आदि की और अधिक ध्यान केन्द्रीत होता था आज उसका स्थान दुर्लभतम खनिज लेते जा रहे हैं। इसका कारण भी साफ है। उर्जा के क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में करीब 80 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 70 प्रतिषत तक कच्चे माल या सहायक के रुप में भूगर्भ की खनिज संपदा की भागीदारी है। आज दुनिया के 90 प्रतिशत रेयर अर्थ पर चीन की मोनोपोली है। दुनिया में खनिज संपदा के क्षेत्र में चीन शीर्ष पर है। चीन में 4.6 बिलियन टन प्रतिवर्ष, दूसरे नंबर में अमेरिका 2.2 बिलियन टन, तीसरे नंबर पर रुस 1.7 बिलियन टन और चौथे नंबर पर आस्ट्रेलिया 1.4 बिलियन टन सालान खनिज संपदा का उत्पादन कर रहे हैं। चीन की संपनन्ता का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि दूसरे नंबर के अमेरिका की तुलना में चीन में लगभग दो गुणा अधिक खनिज संपदा का उत्पादन हो रहा है। कनाडा और यूक्रेन के प्रति अमेरिकी नीति से यह साफ हो जाता है। अमेरिका यूक्रेन की रेयर अर्थ एलिमेंट संपदा के नियंत्रण के माध्यम से खनिजों के क्षेत्र में चीन को पीछे छोड़कर स्वयं का नियंत्रण बनाना चाहता है। यूक्रेन में ग्रेफाइट, लिथियम, आदि रेयर अर्थ के भण्डार है। लिथियम के 19 मिलियन टन भण्डार होने के साथ ही विष्व के प्रमुख पांच ग्रेफाइट उत्पादक देशों में यूक्रेन है। यूक्रेन में आरईई के 17 तत्वों के समूहों वाले खनिजों में से बहुतायत में भण्डार है। अफगानिस्तान के साथ अमेरिका 2017 में समझौता कर चुका है पर तालिबान के प्रवेश के कारण अमेरिका का सपना अधूरा रह गया। हांलाकि 2021 में भी अफगानिस्तान से समझौते की पहल अमेरिका से कर चुका है। अभी भी अमेरिका की अफगानिस्तान की खनिज संपदा पर पूरी नजर है और अमेरिकी-रुस नजदीकी के प्रयास इस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह साफ है कि आज रिचार्जेबल बेटरी, मोबाईल, कम्प्यूटर चिप, हवाई जहाज के उपकरणों में उपयोग होने वालों के साथ ही उर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपयोग के खनिज भण्डार है। चीन पर निर्भरता कम करने के साथ ही अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए संभावित सभी देशों पर योजनाबद्ध तरीके से दबाव बना रहा है ताकि बदलती औद्योगिक सिनेरियों में अमेरिका की तूंती और अधिक तेजी से बज सके और अन्य देश अमेरिका पर निर्भर हो सके। अमेरिका खनिज संपदा का आर्थिक सामाजिक और औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार बनाना चाहता है और इस तरह से वह अपना वर्चस्व कायम करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

भरत चले चित्रकूट श्री राम को मनानेःआचार्य सूर्य लाल मिश्र

मानस पाठ के पांचवे दिन श्री राम दरबार का हुआ भव्य श्रृंगार

सोनभद्र। नगर के आर.टी.एस. क्लब मैदान में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के पांचवें दिन प्रभु श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार शिशु त्रिपाठी ने किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन एवं महामंत्री सुशील पाठक सहित मंच पर भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम दरबार की मंगला आरती की। वही पांचवें दिन पाठ करते हुए काशी से

पधारे आचार्य सूर्य लाल मिश्र ने कहां कि भगवान राम के वनवास के बाद चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ की मृत्यु के पश्चात ननिहाल से भरत एवं शत्रुघ्न को बुलवाया जाता है अयोध्या लौट कर दोनों भाई भगवान राम लक्ष्मण सीता के वनवास से अवगत होते हैं और मां कैकेई को अपशब्द कहते हुए बनवास की दोषी मंथरा को दंड देते हैं। इसके पश्चात चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ का अंतिम संस्कार करते हैं। इसके बाद माताओं एवं गुरु वशिष्ठ के परामर्श से भरत एवं शत्रुघ्न गुरु माताओं सहित चित्रकूट पहुंचते हैं, काफी अनुनय विनय के पश्चात जब राम अयोध्या लौटने के लिए तैयार नहीं होते हैं तो उनकी चरण पादुका लेकर भरत अयोध्या के लिए प्रस्थान करते हैं। वही एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथावाचक हेमंत त्रिपाठी एवं वाराणसी से आए कथा व्यास विपिन बिहारी पाठक ने कहां कि कैकेई द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांग कर भगवान राम को 14 वर्षों का वनवास दिला दिया गया उन्होंने कहा सुना हूं प्राण प्रिय भागव जी का। देहु एक वर भारतहि रोका। मांगहूं इसर कर जोरी। परवहु नाथ मनोरथ मोरी। इस दोहे के अनुसार रामजी आजीवन वनवासी बन जाते हैं लेकिन शिव की कृपा से माने गए वरदान में परिवर्तन हो गया।वहीं कथा के तीसरे सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक प्रकाश चंद्र विद्यार्थी मानस के दोहे का वर्णन करते हुए कहा कि तापस वेष विशेष उदासी। चौदह वरिस राम वनवासी। यानी राम जी केवल 14 वर्ष के लिए ही वनवासी हो क्योंकि जिस दिन कैकई ने वरदान मांगा था उस दिन से रावण की आयु मात्र 14 वर्ष ही शेष बचा था। आगे कहा कि जहां तहं मीर अगाधा। जिमी हरी शरण न एकउ बाधा।। बताएं कि संसार के सभी प्राणी सुख चाहते हैं लेकिन सुख मिलता कहां है। सब सुख लइई तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना।। भगवान की शरण में जाने का तरीका आ जाए और उनको अपना रक्षक मान लेने से चारों तरफ सुखी हो जाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से एमएलसी विनीत सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, इंद्रदेव सिंह, समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, राहुल श्रीवास्तव, विजय जैन, शिशु त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, विजय शंकर चतुर्वेदी, जय प्रकाश उर्फ़ चेखुर पाण्डेय, मोहन कुशवाहा, रचना तिवारी, रविन्द्र पाठक, अनूप तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी बढ़ी

कमलेश पांडे

बिहार में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष अक्टूबर-नवम्बर महीने में होंगे। हालांकि, उससे महीनों पहले राज्य में धार्मिक और राजनीतिक सरगमियां तेज हो चुकी हैं। कहीं एनडीए और यूपीए एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोकते प्रतीत हो रहे हैं तो कहीं उनके गठबंधन के अपने ही साथी एक-दूसरे को रणनीतिक मात देते हुए अपनी सीटें बढ़ाने को लेकर बेताब नजर आ रहे हैं। इस नजरिए से भाजपा-जदयू की धींगामुश्ती और राजद-कांग्रेस की अंदरूनी कुश्ती के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सबके बने बनाए खेल बिगाड़ रही है। एक तरफ जहां धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के वोटों का बिखराव तय माना जा रहा है, वहीं हिंदुत्व का नया जनज्वार यहां भी पैदा होती दिखाई दे रही है। इससे जदयू के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कम, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके समर्थक ज्यादा परेशान है। इस बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जब अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के साथ बिहार पहुंचे, तो रही सही कसर पूरी हो गई। क्योंकि उनका हुर्मुठ धार्मिक अंदाज बिहारियों पर भी अपना छाप छोड़ेगा ही। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सुपौल में और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी पटना में यानी राज्य में मौजूद है। इससे धीरेंद्र शास्त्री के गोपालगंज में पांच दिवसीय हनुमंत कथा की समां बंध चुकी है। वहीं, बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक है। पंडित शास्त्री का यह कहना कि वह अब सनातनियों को झुकने नहीं देंगे, हिंदुओं की आबादी घटने नहीं देंगे, और भारत के पहले ही बहुत टुकड़े हो चुके है, इसलिए अब भारत के और टुकड़े होने नहीं देंगे, को सुनकर हिन्दू गदगद है। वहीं, पंडित शास्त्री ने सवालिया लहजे में यह पूछकर अपना धार्मिक एजेंडा स्पष्ट कर दिया है कि ईसाइयों के हितचिंतक 95 देश हैं, इस्लामी मतावलंबियों यानी मुसलमानों के हितचिंतक 65 देश है, लेकिन हिंदुओं का हितचिंतक कौन देश है? उन्होंने अपनी चिंता प्रकट करते हुए आगे कहा कि भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, भूटान, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम आदि देशों में जो 150 करोड़ हिन्दू है, जो दुनिया की तीसरी बड़ी धार्मिक आबादी है, उनका हितचिंतक तो अखंड भारत के ही देशों को होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यदि ये ऐसा नहीं करेंगे तो हम डंके की चोट पर उनसे हिंदुत्व से जुड़े ये कार्य करवाएंगे, लेकिन हिंदुओं का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि हम हिंदुओं के लिए ही जीयेंगे और हिंदुओं के लिए ही मरेंगे। इसलिए हम पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में घूम-घूम कर हिंदुत्व का अलख जगा रहे हैं।मुझे बिहार के लोगों से ज्यादा उम्मीद है। हिन्दू राष्ट्र की मजबूत हुंकार इसी क्रांतिकारी भूमि से भरी जाएगी। स्वाभाविक है कि बिहार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का एक धार्मिक नेता वाला अवतार दिखा। इससे पहले वह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों को भी हिंदुत्व और भारतीयता के लिहाज से जगाते चले आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि जिंदगी कितनी भी अच्छी हो, यदि इसमें भक्ति ना हो तो वह किसी काम की नहीं। जीवन में भक्त और भक्ति एक दूसरे के बिना सफलता की कामना संभव नहीं है। इसलिए पुरुषार्थ करते रहिए, जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा, जीवन में सबका सम्मान करें। छोटे से छोटे व्यक्ति भी सम्मान के पात्र होते है। जीवन के कर्तव्यों के साथ-साथ भक्ति भी जरूरी है। भक्ति के बिना सफल जीवन

की कामना बेकार है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने कहा, भारत को बंटने नहीं देंगे, हिंदुओं को घटने नहीं देंगे, हम हिंदू राष्ट्र बनाने आए है। उन्होंने कथा के दौरान ही कहा, हम किसी पार्टी के प्रचारक नहीं, बल्कि हिंदुत्व के विचारक है। यह देश हमारा है, यह बिहार हमारा है। हम हिंदुत्व जगाने आए है। हिंदू राष्ट्र बनाने आए है। उन्होंने दुनिया में अलग-अलग देश में रह रहे अलग-अलग समुदाय के साथ हिंदुत्व पर चर्चा करते हुए भारतवर्ष को एक महान राष्ट्र बताया। उन्होंने कहा, हम हिंदू को एकजुट करने आए हैं। आप हमें रामनगर में जब तक रखेंगे हम तब तक रहेंगे। पांच दिवस ही क्या, पांच महीने तक हम हिंदुत्व के लिए कथा करते रहेंगे। विदेश से भी श्रद्धालु कथा का श्रवण करने पहुंचे है। इससे बागेश्वरधाम सरकार श्री शास्त्री की लोकप्रियता और भी परवान चढ़ने लगीहै। चूंकि बिहार राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सभी दलों ने जोर आजमाइश भी शुरू कर दी है। इस लिहाज से मार्च के पहले-दूसरे सप्ताह में, वो भी होली से ठीक पहले बिहार में एक साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर का दौरा करना महत्वपूर्ण है। इससे सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के लिहाज से सजग रहे बिहार में हिंदुत्व का एक नया उफान पैदा होगा, जिससे सूबे में भाजपा की जड़ें और मजबूती से जमेंगी। चूंकि उड़ीसा विधानसभा चुनाव में जीत चुकी भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव में मुँहकी खा चुकी है। इसलिए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को वह हर हाल में जीतना चाहती है। चूंकि वह यहां पर जदयू के साथ चुनाव लड़ती आई है, इसलिए वह विपक्षी पार्टी राजद और कांग्रेस को इतना कमजोर कर देना चाहती है कि उसके सहयोग से जदयू पुरानी बारगेनिंग करने लायक नहीं बचे। इसलिए वह इस बार जदयू की सीटों की संख्या को भी कतरने का मन बना चुकी है। यह सबकुछ करना इसलिए बेहद जरूरी है कि 2026 के पूर्वार्द्ध में ही पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। जहां चुनाव जीतना दिल्ली के बाद मोदी सरकार की हिट लिस्ट में है। समझा जाता है कि एक के बाद एक यानी हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसी मुश्किल विधानसभा चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरा चुकी भाजपा अब बिहार में भी वही प्रयोग करने जा रही है। आरएसएस और अपनी आनुषंगिक इकाइयों के माध्यम से वह जन जन को साधना चाहती है, ताकि नीतीश कुमार पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे और सीटों के बंटवारे में वो कम सीट पर चुनाव लड़ने को राजी हो जाएं। वहीं, यदि इसमें को अप्रत्याशित बाधा भी आए तो राज्य में हिंदुत्व की लहर इतनी प्रचंड हो जाए कि धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय जैसी जातिवादी और धार्मिक सोच हवा-हवाई हो जाए। यही वजह है कि गोपालगंज में बागेश्वर सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 5 दिवसीय हनुमंत कथा के आयोजन से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव की सियासी नींद उड़ चुकी है। वहीं, प्रयागराज महाकुंभ के बाद भाजपा की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय हवा बनी है, उससे भी ये नेता भीतर ही भीतर परेशान है।तेजस्वी यादव और उनके समर्थक तो इस आयोजन को लेकर उटपटांग बयानबाजी भी तेज कर चुके हैं। वहीं, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के गृह जनपद गोपालगंज के भोरे प्रखंड के रामनगर स्थित श्रीराम जानकी मठ इन दिनों हिंदुत्व व सनातनियों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए पहुंचे हुए हैं। इस श्रीराम जानकी मठ में धीरेंद्र शास्त्री ने कथा से पहले हिन्दुओं के अस्तित्व और उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया है। गुरुवार की देर शाम कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वे यहां अपने लिए थोड़े आए हैं, वे इस देश के हिन्दुओं को जगाने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा वे अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं बल्कि दुनिया के 150 करोड़ हिन्दुओं की लड़ाई लड़ने आए हैं। उन्होंने कथा के दौरान यहां तक कह दिया कि, वे किसी पार्टी के लिए थोड़े आते हैं। वे किसी के लिए वोट मांगने थोड़े आते हैं। वे तो सिर्फ हिन्दुओं के अलख को जगाने आते है। बागेश्वर धाम सरकार ने साफ-साफ अंदाज में कहा कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। यानी उनके खिलाफ जगह जगह बयान देने वालों के लिए धीरेंद्र शास्त्री ने दो टूक शब्दों में 'सेम टू यू' वाला मुहावरा दुहरा दिया। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अपने प्रवचन में हिंदुत्व और हिंदु राष्ट्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया था और दो टूक कहा था कि देश में सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नहीं बल्कि हिंदुत्व इंटेलिजेंस (एच आई) भी होना चाहिए। तब मीडिया से मुखातिब होते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यहां तक कहा था कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए हमारा प्रयतन जारी है। भारत हिंदू राष्ट्र बने। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी मजहब के खिलाफ नहीं है बल्कि हिंदू राष्ट्र का मतलब सबको लेकर चलना, जैसे दुबई में अलग-अलग संस्कृति के लोग एक साथ रहते हैं। उसी तरह भारत में भी सबको रहने का अधिकार है। यह भारत किसी का एक नहीं बल्कि सबका है। इससे उनके श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ी। इस मौके पर ही पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यह भी कहा था कि सबके दादा-परदादाओं ने आजादी के लिए युद्ध लड़े हैं, अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं।

बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने पर दिखाई पड़ते हैं ये लक्षण

हेल्थ एक्सपर्ट्स से जानिए बचाव के तरीके

सेहतमंद बने रहने के लिए इम्यून सिस्टम को स्ट्रांग बनाना बहुत जरूरी होता है। वहीं छोटे बच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है, ऐसे में उनको इंफेक्शन का अधिक खतरा होता है। इसमें सेप्सिस भी शामिल किया जाता है, जिसको ब्लड इंफेक्शन कहा जाता है। ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को थकान और कमजोरी हो सकती है। छोटे बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने का खतरा अधिक होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर छोटे बच्चों में क्या लक्षण नजर आते हैं। साथ ही यह भी जानेंगे इससे कैसे बच्चे का बचाव करना चाहिए। **सेप्सिस के कारणः** सेप्सिस एक गंभीर रोग है, इसमें बैक्टीरिया व जीवाणु से संक्रमण होने का खतरा होता है। यह किसी भी संक्रमण के कारण से हो सकता है। इसमें आप यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, लंग्स इंफेक्शन, स्किन इंफेक्शन और पेट से जुड़ी समस्याओं को शामिल कर सकते हैं। यह बच्चों के शरीर के अंगों को प्रभावित कर सकती है। सेप्सिस विश्व स्तर पर बाल मृत्यु दर का एक बड़ा कारण माना जा सकता है। विकासशील

देशों के बच्चों में सेप्सिस से मृत्यु की दर करीब 50 प्रतिशत से अधिक देखने को मिली है। **बच्चों में ब्लड कैंसर के लक्षण-बुखार आनाः** ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को बार-बार बुखार आ सकता है। बच्चे को लगातार तेज बुखार आ सकता है। तीन साल से कम उम्र के बच्चों को इसका विशेष जोखिम अधिक होता है। **बच्चों में सुस्ती और चिड़चिड़ापनः** बच्चों में ब्लड संक्रमण होने पर सुस्ती या चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। इस कारण बच्चे सुस्त और थके दिखाई देते हैं। बच्चों के व्यवहार में यह बदलाव इस तरफ संकेत करता है कि आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। **सांस लेने में परेशानी या तेजी से सांस लेनाः** बच्चों को ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर रेस्पिरेटरी से जुड़ी समस्या हो सकती है। ऐसे में बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ब्लड इंफेक्शन के कारण कई बार बच्चा तेजी से सांस लेता है, या फिर सांस लेते समय घरघराहट की आवाज हो सकती है। **स्किन में असामान्य परिवर्तनः** ब्लड संक्रमण वाले बच्चों की त्वचा में कई तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बच्चों की स्किन में लालिमा और चकत्ते हो सकते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की त्वचा पर होने वाले बदलावों पर भी नजर रखनी चाहिए। **खाने में आनाकानी करनाः** रक्त संक्रमण होने पर बच्चे को भूख लगना कम हो जाती है। ऐसे में भूख न लगने से बच्चा खाना खाने में आनाकानी करने लगता है। वहीं बच्चे का तेजी से वजन भी कम हो सकता है। अगर बच्चा खाना-खाने से मना करता है, तो यह किसी समस्या की ओर संकेत हो सकता है। **बचाव के उपायः** बच्चों को साफ-सफाई की आदत डालें। बच्चों द्वारा दूध पीने वाली बोतल को डिसइंफेक्टेड जरूर करें। समय-समय पर बच्चे को स्तनपान कराएं। इससे शिशु को सभी पोषक तत्व मिलते हैं और उनमें इंफेक्शन की संभावना भी कम होती है। इंफेक्शन से बचाव के लिए शिशु को समय पर टीका जरूर लगवाएं। बच्चों को बीमार व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचाना चाहिए।

सर्दियों में ड्राई स्किन से छुटकारा पाएं अपनाएं ये 5 आसान टिप्स,चेहरा करेगा ग्लो

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा, कम नमी और गरम पानी से नहाने के कारण स्किन जल्दी ड्राई होने लगती है। जिस कारण इस मौसम में चेहरा रूखा, बेजान और खिंचाव वाला दिखने लगता है। लेकिन अगर आप रोजाना आसान स्किन केयर टिप्स को फॉलो करती हैं, तो सर्दियों के मौसम में भी नरम, हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सर्दियों में ड्राई स्किन को ग्लोइंग रखने के 5 आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन टिप्स को फॉलो करके अपनी ड्राई स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकती हैं।

हल्के क्लींजर से साफ करें चेहराः सर्दियों के मौसम में हार्श फेसवॉश या साबुन त्वता की नेचुरल नमी को खींच लेते हैं। इसलिए हमेशा क्रीम बेस्ड फेसवॉश या मॉइस्चराइजिंग क्लींजर का इस्तेमाल करें। दिन में कम से कम 2 बार से ज्यादा फेस को नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से आपकी स्किन अधिक ड्राई कर सकती है। **एक्सफोलिएशनः** ड्राई स्किन में डेड स्किन जमा होने से फेस रूखा दिखता है। इसलिए सप्ताह में 1-2 बार हल्के स्क्रब से एक्सफोलिएट करें। दही, चीनी, ओट्स या बेसन जैसी माइल्ड नेचुरल चीजों से भी त्वचा को धीरे-धीरे साफ कर सकते हैं। इस दौरान ध्यान रखें कि ओवर स्क्रबिंग स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है।

मॉइस्चराइजर लगाएंः सर्दियों के मौसम में मॉइस्चराइजर त्वचा के लिए दवा की तरह काम करता है। फेस धोने के 30 सेकेंड के अंदर फेस पर मॉइस्चराइजर लगाएं। ग्लिसरीन, हायल्यूरोनिक एसिड, शीया बटर या सेरामाइड्स वाली क्रीम सबसे अच्छी रहती है। कम से कम दिन में 2-3 बार क्रीम लगाएं। वहीं रात को थोड़ा भारी क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए।

सनस्क्रीनः सर्दियों में धूप कम होने के बाद भी यूवी किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए रोजाना बाहर निकलने से पहले एसपीएफ 30 या फिर इससे भी ऊपर वाला सनस्क्रीन लगाएं। अगर आप लंबे समय तक घर से बाहर रहती हैं, तो हर 3 घंटे बाद सनस्क्रीन री-अप्लाई करें। सनस्क्रीन के इस्तेमाल से स्किन ड्राइनेस, टैनिंग और एजिंग से बचती है। **स्किन को रखें हाइड्रेटः** बता दें कि सिर्फ ऊपर से क्रीम लगाने से काम नहीं चलता है। शरीर में पानी की कमी होने पर भी ड्राईनेस बढ़ती है। इसलिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। आप सूप, नारियल पानी, गर्म पानी और हर्बल टी का सेवन कर सकती हैं। इससे भी हाइड्रेशन मिलता है। वहीं खाने में सब्जियां, फल और ओमेगा-3 वाली चीजों को शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप अखरोट, बादाम, एवोकाडो और अलसी के बीज आदि का सेवन करें।

'नो शुगर' चैलेंज, 30 दिन में पाएं ग्लोइंग स्किन और दुरुस्त सेहत

समय में रिफाइंड शुगर यानी की सफेद चीनी हमारी डेली लाइफ में शामिल हो चुकी है। सुबह की चाय से लेकर बिस्किट, मिठाइयों, ब्रेड, सॉस, मिठाइयों और यहां तक कि हेल्दी लगने वाले स्नैक्स तक में चीनी मौजूद होती है। अधिक शुगर का सेवन करने से न सिर्फ वेट बढ़ता है, बल्कि यह दिमाग, स्किन, नींद और पूरी सेहत पर भी बुरा असर डालता है। लेकिन अगर आप 30 दिनों तक सिर्फ रिफाइंड शुगर छोड़ देते हैं, तो आपके शरीर में हैरान कर देने वाले बदलाव आएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 30 दिन रिफाइंड शुगर छोड़ने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। **वेट लॉस और कमर की चर्बी में कमीः** शुगर कैलोरी से भरपूर होती है, लेकिन इसमें पोषण शून्य होता है। इसको छोड़ने से शरीर जमा फैट को जलाना शुरू करता है। इससे वेट तेजी से घटता है, खासतौर पर पेट और कमर की चर्बी में फर्क दिखने लगता है। **एनर्जी लेवल में सुधारः** शुगर से मिलने वाली एनर्जी थोड़ी देर के लिए होती है और फिर थकान महसूस होती है। शुगर छोड़ने पर शरीर स्थायी एनर्जी पैदा करता है, जिससे आप दिनभर एक्टिव और फ्रेश फील करते हैं। **स्किन में आएगा निखारः**रिफाइंड शुगर त्वचा में कोलेजन को नुकसान पहुंचाता है। जिससे डलनेस, झुर्रियां और पिंपल्स बढ़ते हैं। शुगर से दूरी बनाने के बाद स्किन में फर्मनेस, ग्लो और क्लियरनेस आने लगती है। **बढ़ेगा दिमागी स्पष्टता और फोकसः** शुगर का ज्यादा सेवन मानसिक फॉग और फोकस की कमी पैदा करता है। 30 दिनों तक शुगर न लेने से दिमाग अधिक तेज, केंद्रित और शांत महसूस करता है। **बेहतर होगी नींद की क्वालिटीः** शुगर का सेवन हमारे शरीर के हार्मोन बैलेंस को बिगाड़ती है। जिस वजह से नींद में खलल पड़ता है। शुगर न लेने से नींद सुकूनभरी और गहरी हो जाती है। **मूड में स्थिरता और स्ट्रेस में कमीः** बता दें कि शुगर का सेवन करने से डोपामिन में असंतुलन आता है। जिस कारण मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन होता है। लेकिन शुगर न लेने पर मूड शांत

और पॉजिटिव रहता है। **डायबिटीज और हार्ट डिजीज का कम खतराः** रिफाइंड शुगर का सेवन न करने से इंसुलिन और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। जिससे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है। आप सिर्फ 30 दिन चीनी छोड़कर देखिए, इससे आपका मनोस्थिति, सेहत और रूप में ऐसा बदलाव आएगा कि आप खुद को पहले से ज्यादा खुश, हेल्दी और एनर्जेटिक महसूस कर पाएंगे। यह एक ऐसा चैलेंज है, जो आपकी जिंदगी को बदल सकता है।

अबॉर्शन के बाद इन चीज़ों से करें परहेज़, रिकवरी को मिलेगी गति, शरीर रहेगा स्वस्थ

अबॉर्शन के बाद एक महिला को कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से गुजरना पड़ता है। अबॉर्शन के बाद महिला को काफी लंबे समय तक कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस दौरान महिला के शरीर में करीब 2 सप्ताह पेट में ऐंठन, दर्द, शरीर में कमजोरी और अधिक ब्लीडिंग जैसी कई समस्याओं का अनुभव हो सकता है। शारीरिक तौर पर महिला को इस परेशानी से निपटने में थोड़ा सा समय लग सकता है।

अबॉर्शन के बाद लक्षणों को मैनेज करने के लिए हेल्दी डाइट लेना चाहिए। ऐसे में जरूरी है कि महिला सभी पोषक तत्वों का सेवन करें और डाइट से जुड़ी कुछ खास बातों का ध्यान रखें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अबॉर्शन के बाद महिला को क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

करें इन चीजों का सेवन-प्रोटीन युक्त डाइटः अबॉर्शन के बाद पर्याप्त प्रोटीन वाली डाइट लेने से आपकी मांसपेशियों के निर्माण में सहायता मिलती है। यह गर्भपात के बाद शरीर को तेजी से ठीक होने में सहायता करता है।

लिक्विड डाइटः अबॉर्शन के बाद खूब सारे तरह पदार्थों का सेवन करने से बॉडी में खून की कमी नहीं होती है। इसलिए अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए नारियल पानी, डिटॉक्स ड्रिंक्स और अनार के जूस का सेवन करना चाहिए। **कैल्शियम वाले आहारः** प्रेग्नेंट महिला के शरीर में कैल्शियम की कमी होने की संभावना होती है। इसलिए अबॉर्शन के बाद कैल्शियम से भरपूर फूड्स को डाइट को शामिल करना चाहिए।

इन चीजों का न करें सेवनः अबॉर्शन के बाद शुगर वाले प्रोडक्ट्स और जंक फूड्स का सेवन करने से बचना चाहिए। अबॉर्शन के बाद अगर आप बहुत ज्यादा मीठे का सेवन करती हैं, तो आपके ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है।

अबॉर्शन के बाद शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे आपके स्वास्थ्य पर गलत प्रभाव पड़ता है। अबॉर्शन के बाद जंक फूड का सेवन सही नहीं है। इसलिए आपको बर्गर, पिज्जा और फ्रेंच फ्राइज जैसे फूड आइटम्स को खाने से बचना चाहिए।

महिलाओं में क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर का अधिक जोखिम, इन लक्षणों को न करें अनदेखा

महिलाओं को होने वाले कैंसर में सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भी शामिल किया जाता है। महिलाओं के प्रजनन अंग को यह कैंसर प्रभावित कर सकता है। वहीं सर्वाइकल कैंसर के मामलों में हर साल तेजी से बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। महिलाओं को पीरियड्स, मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के किसी भी संकेत को अनदेखा करने की गलती नहीं करनी चाहिए। वहीं समय के साथ ही कैंसर के लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं। अन्य कैंसरों की तरह सर्वाइकल कैंसर भी महिलाओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। आज हम आपको सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकों के बारे में बताने जा रहे हैं। **महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकः** महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं सर्वाइकल कैंसर में अनियंत्रित हो रूप से बढ़ने लगती है। डॉक्टर के मुताबिक जिस भी अंग में कोशिकाओं के जीन में बदलाव होता है, उसी

अंग के नाम से कैंसर पहचाना जाता है। हांलाकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह के लक्षण महसूस हो सकते हैं। आपको बता दें कि वजाइना के निचले भाग से सर्वाइकल कैंसर शुरु होता है और यह ऊपरी वजाइना तक फैल सकता है। गर्भाशय के सबसे नीचे हिस्से का घातक ट्यूमर होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्वाइकल कैंसर से जोखिम कारक क्या हो सकता है। **कमजोर इम्यूनिटीः** कुछ महिलाओं की इम्यूनिटी कमजोर होती है। उनको कैंसर होने की संभावना अधिक होती है। वहीं जो महिलाएं इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी कराती हैं। उनको भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। कमजोर इम्यूनिटी वाली महिलाओं को डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए। इसके साथ ही रोजाना व्यायाम भी करना चाहिए। रोजाना व्यायाम करने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का खतरा अधिक होता है। **एचपीवी संक्रमणः** एचपीवी इंफेक्शन सर्वाइकल कैंसर का एक मुख्य जोखिम कारक हो सकता है। वहीं, एचपीवी के कुछ प्रकार विशेष रूप जैसे एचपीवी 16 और एचपीवी 18 सर्वाइकल कैंसर से जुड़े होते हैं। एचपीवी एक यौन संचारित संक्रमण है। इससे बचने के लिए सुरक्षित यौन संबंध और एचपीवी वैक्सीन लेनी चाहिए। **धूम्रपानः** जो महिलाएं नियमित रूप से सिगरेट का सेवन करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम ज्यादा होता है। क्योंकि सिगरेट के तंबाकू और धुएं के कैमिकल के गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं डैमेज होने का खतरा अधिक हो सकता है। साथ ही एचपीवी इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं जो महिलाएं सिगरेट का सेवन नहीं करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम कम रहता है। **नियमित रूप से चेकअप न करानाः** सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए महिलाओं को नियमित रूप से पैप टेस्ट या एचपीवी टेस्ट कराना चाहिए। इससे प्रजनन अंगों से जुड़े कैंसर का खतरा कम होता है। वहीं नियमित जांच के चलते कैंसर की समय रहते पहचान भी की जा सकती है। जिससे इसके इलाज में आसानी होती है। **एचपीवी वैक्सीनः** आपको बता दें कि एचपीवी वैक्सीन न लगावाने वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। महिलाओं को गर्भाशय से जुड़ी समस्याओं व इंफेक्शन से बचने के लिए एचपीवी वैक्सीन लगानी चाहिए। इस समस्या से बचने के लिए महिलाएं स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श कर सकती हैं। महिलाओं को प्रजनन अंग से जुड़े रोगों से अपना बचाव करने के लिए जागरुक होने की जरूरत होती है। सर्वाइकल कैंसर और अन्य कैंसर के जोखिम से बचने के लिए लाइफस्टाइल और डाइट में जरूरी बदलाव करना चाहिए। वहीं पीरियड से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या का सामना करने पर फौरन डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

एक बार हाईलाइटर लगाने से पहले जान लें ये जरुरी बातें, तभी खूबसूरत दिखेंगा चेहरा

महिलाओं को सबसे ज्यादा श्रृंगार करना बेहद प्रिय होता है। आजकल तो ब्यूटी को एनहान्स करने के लिए तरह-तरह के मेकअप टिप्स को ट्राई किया जाता है।

अगर आपको मेकअप करना पसंद है, तो इस चीज का ध्यान रखना बेहद जरुरी है। मेकअप ट्रेंड्स में हाईलाइटर आज का जरुरी पार्ट बन चुका है। इसके बिना फेस भी डल नजर आता है।

हाईलाइटर आपके फेस के खास हिस्सों पर चमक बढ़ाता है। जिससे सुंदरता में भी निखार आता है। हालांकि, कुछ लड़कियां हाईलाइटर का गलत इस्तेमाल करती है। जिस वजह से चेहरे की शाइन चली जाती है। अगर आप भी चेहरे की एक्सट्रा चमक चाहते हैं, तो इस तरह से चेहरे पर हाईलाइटर का प्रयोग करें। **फ्लैट ब्रश चुनने की गलती ना करेंः** जब भी आप हाईलाइटर अप्लाई करें तो कभी भी फ्लैट ब्रश का इस्तेमाल ना करें। फ्लैट डिजाइन वाले हाईलाइटर का प्रयोग करनी की गलती ना करें। ध्यान रहे कि हाईलाइटर लगाने के

लिए फ्लपी बिग आईशैडो ब्रश का इस्तेमाल करें। **ब्रश पकड़ने का तरीकाः** अक्सर कुछ लड़कियों को हाईलाइटर ब्रश को गलत तरीके से पकड़ते हैं। हाइलाइटर को स्मूद फिनिश के साथ लगाना है तो हमेशा ब्रश को सही एंगल से पकड़ना जरूरी है। ब्रश को हमेशा सेंटर से पकड़ें, जिससे सही एंगल में हाईलाइटर लगाया जाए।

चिकबोन पर लगाएंः जब भी आप हाईलाइटर लगाएं तो गाल के सही हिस्से को चुनें। आंख के नीचे और गालों के ऊपर जिस जगह पर हड्डी होती है, उसे ही चिकबोन बोलते हैं। सबसे पहले आप ब्रश पर हाईलाइटर को हल्का झटक दें फिर सर्कुलर मोशन में लगाएं। ऐसा करने से आपका फेस नेचुरल ग्लो जैसा दिखेगा। **बड़े फोरहेड पर हाईलाइटर कैसे लगाएंः** यदि आपका फेस में फोरहेड बड़ा है तो हमेशा फोरहेड के दोनों साइड पर घुमाते हुए हाईलाइटर लगाते हैं। यदि आपका फोरहेड छोटा है तो सेंटर में लगाना चाहिए।

पूरी नाक पर हाईलाइटर कभी ना लगाएंः इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कभी भी हाईलाइटर को पूरी नाक पर ना लगाएं। अगर आपको नेचुरली शाइन जैसा हाईलाइटर का ग्लो चाहिए, तो नाक की टिप और थोड़ा-सा नाक के स्टार्टिंग प्वाइंट यानी दोनों आंख के बीच में नाक पर लगाएं। इसके अलावा, थोड़ा-सा हाईलाइटर चिन पर लगाना चाहिए। इस तरीके से आप फेस पर हाईलाइटर लगाएंगी तो यह ग्लोइंग इफेक्ट देगा।

भुने चने छिलके सहित खाना फायदेमंद या नुकसानदायक?

भुना चना एक ऐसा स्नैक है जिसे लोग सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखते हैं। अक्सर स्वाद के कारण हम इसे ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भुने चने को उसके छिलके के साथ खाना सही है या नहीं? आइए जानते हैं कि छिलके

सहित भुने चने खाने से सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है। **भुने चने छिलके सहित क्यों खाने चाहिएः** स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, भुने चनों का सेवन हमेशा उनके छिलके के साथ करना ज्यादा फायदेमंद होता है। छिलके में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं इसके मुख्य फायदे। **पाचन तंत्र को मिलती है मजबूतीः** अगर आपको पाचन से जुड़ी दिक्कतें रहती हैं, तो छिलके समेत भुने चने खाना फायदेमंद हो सकता है। इसमें भरपूर फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। **नर्वस सिस्टम रहता है संतुलितः** छिलके सहित भुने चने खाने से नर्वस सिस्टम को भी लाभ मिलता है। इसमें राइबोफ्लेविन, नियासिन, थायमिन, फोलेट और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो नर्वस सिस्टम को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। **एनर्जी बढ़ाने में सहायकः** अगर आपको अक्सर थकान या कमजोरी महसूस होती है, तो छिलके सहित भुने चने का सेवन लाभकारी हो सकता है। यह शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है और दिनभर एक्टिव बने रहने में मदद करता है। **हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मददगारः** भुने चनों में प्रोटीन के साथ-साथ आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्व भरपूर होते हैं। इनके नियमित सेवन से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ सकता है, जिससे खून की कमी दूर करने में सहायता मिलती है। **दिल की सेहत के लिए फायदेमंदः** छिलके सहित भुने चने खाने से दिल को भी लाभ होता है। यह हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है और दिल से जुड़ी कई समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है।

नए साल के जश्न के लिए बजट में घूमने की 5 बेहतरीन जगहें

न्यू ईयर सेलिब्रेशन में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। अगर आप भी छुट्टियों में कहीं घूमने का मन बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए खास है। नए साल का जश्न मनाने के लिए जरूरी नहीं कि ज्यादा खर्च किया जाए, आप कम बजट में भी शानदार ट्रिप का आनंद ले सकते हैं। परिवार या दोस्तों के साथ न्यू ईयर मनाने का मजा ही अलग होता है। अगर आप भी कम खर्च में घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो आइए जानते हैं ऐसी 5 शानदार जगहों के बारे में, जहां आपका नया साल यादगार बन जाएगा। दिसंबर के साथ साल 2025 अब अपने आखिरी पड़ाव पर है और जल्द ही हम सभी नए साल 2026 का स्वागत करने वाले हैं। ऐसे में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए समय भी कम बचा है। अगर आप दोस्तों या परिवार के साथ कहीं घूमने का मन बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए ही है। बिना ज्यादा खर्च किए भी आप नए साल का जश्न शानदार तरीके से मना सकते हैं। नववर्ष को खास बनाने के लिए भारत की इन 5 खूबसूरत और बजट-फ्रेंडली जगहों पर जरूर घूमने जाएं। **ऋषिकेशः** नए साल का जश्न मनाने के लिए ऋषिकेश एक बेहतरीन और बजट-फ्रेंडली डेस्टिनेशन है। यहां घूमने के साथ-साथ आप कई रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, बोटिंग और ट्रेकिंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज युवाओं को खासा आकर्षित करती हैं। इसके

अलावा, गंगा आरती को सामने से देखने का अनुभव बेहद सुकून देने वाला होता है। ऋषिकेश में घूमने के लिए परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट और नीलकंठ महादेव मंदिर जैसी प्रसिद्ध जगहें भी मौजूद हैं, जो आपकी ट्रिप को और यादगार बना देंगी। **जयपुरः** नए साल का जश्न मनाने के लिए जयपुर एक शानदार और किफायती विकल्प है। पिंक सिटी के नाम से मशहूर यह शहर फैमिली और दोस्तों के साथ घूमने के लिए परफेक्ट है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए जयपुर में पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून राइड का भी विकल्प मौजूद है। इसके अलावा, यहां की लेट नाइट पार्टियां न्यू ईयर सेलिब्रेशन को और भी खास बना देती हैं। **मनालीः** अगर आप नए साल पर बर्फबारी का मजा लेना चाहते हैं, तो मनाली एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है। इस समय यहां स्नोफॉल देखने को मिल रहा है, जो ट्रिप को और भी खास बना देता है। मनाली में आप स्कीइंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज के साथ लेट नाइट पार्टी का भी आनंद ले सकते हैं। घूमने के साथ-साथ यहां शॉपिंग के भी अच्छे ऑप्शन मिल जाते हैं। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए मनाली को सबसे पसंदीदा जगहों में गिना जाता है। बजट में ट्रिप प्लान करने वालों के लिए यहां किफायती हॉस्टल आसानी से मिल जाते हैं। साथ ही, घूमने के लिए टैक्सी और बाइक किराए पर उपलब्ध रहती हैं। **ऊटीः** अगर आप नए साल का जश्न मनाने के लिए दक्षिण भारत की ओर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो ऊटी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। साउथ का यह मशहूर हिल स्टेशन अपने खूबसूरत चाय बागानों और हरियाली के लिए जाना जाता है। सर्दियों के मौसम में ऊटी की प्राकृतिक सुंदरता और भी आकर्षक लगती है। कम बजट में आप यहां परिवार और दोस्तों के साथ सुकून भरी छुट्टियां बिता सकते हैं और नए साल को खास बना सकते हैं। **उदयपुरः** राजस्थान का उदयपुर झीलों की नगरी के रूप में मशहूर है और नए साल का स्वागत करने के लिए यह शहर एक शानदार जगह है। लेक सिटी उदयपुर में आपको खूबसूरत झीलों के नजारे देखने को मिलेंगे, साथ ही यहां कई प्रसिद्ध म्यूजियम और ऐतिहासिक इमारतें भी हैं। कम बजट में भी आप उदयपुर की सैर कर सकते हैं और न्यू ईयर को यादगार अंदाज़ में सेलिब्रेट कर सकते हैं। **शिमलाः** अगर आपको पहाड़ों की वादियों में घूमना पसंद है, तो नए साल का जश्न मनाने के लिए शिमला एक बेहतरीन जगह है। सर्दियों के मौसम में यहां बर्फबारी देखने का अलग ही आनंद मिलता है। न्यू ईयर के मौके पर शिमला में लेट नाइट पार्टियों का माहौल भी काफी खास रहता है। घूमने के लिए यहां खूबसूरत चर्च हैं और शिमला की पहचान मानी जाने वाली मशहूर मॉल रोड पर टहलना और शॉपिंग करना ट्रिप को और यादगार बना देता है। **सरिस्का, राजस्थानः** अगर आप नए साल का जश्न प्रकृति और वन्यजीवों के बीच मनाना चाहते हैं, तो सरिस्का एक बेहतरीन विकल्प है। वाइल्डलाइफ का रोमांच लेने के लिए यह जगह खास मानी जाती है। जंगल और सुकून भरे माहौल के बीच समय बिताने के लिए सरिस्का सबसे अच्छी जगहों में से एक है, जहां आप फैमिली और दोस्तों के साथ यादगार पल बिता सकते हैं।

पार्लर जैसा ग्लो मिनटों में, घर बैठे ये 5 आसान स्टेप्स, अब हर फंक्शन पर दिखें सबसे खूबसूरत

हर फंक्शन के लिए लड़कियों को मेकअप करना बेहद पसंद होता है। किसी भी पार्टी में जाने से कई दिन पहले से लड़कियां तैयारियां शुरूकर देती हैं। अब हर फंक्शन के लिए पार्लर जाकर मेकअप कराना तो मुमकिन नहीं होता है। क्योंकि पार्लर में जाकर मेकअप कराने में काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। वहीं हर किसी को मेकअप करना नहीं आता है। ज्यादातर लड़कियां कंफ्यूज रहती हैं कि कौन से मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करने हैं और क्या पहले अप्लाई किया जाए, जिससे कि उनका मेकअप परफेक्ट नजर आए। ऐसे में अगर आप भी अक्सर पार्टी में जाती रहती हैं और आपको मेकअप करना नहीं आता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए

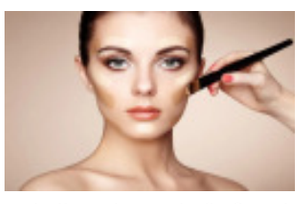

हम आपको मेकअप के पांच स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी आसानी से कर सकती हैं और इन मेकअप स्टेप्स को आप मिनटों में पूरा करने एकदम पार्लर जैसा ग्लो पा सकती हैं। **प्राइमर बेसः** मेकअप करने के लिए सबसे पहले हमें बेस की जरूरत होती है। जिससे कि स्किन फ्लॉलेस बनी रहे। इसके लिए फेस पर पहले प्राइमर अप्लाई करें। इसको आपको ब्रश या हाथ की मदद से पूरे फेस पर हल्के हाथों से लगाएं। **कंसीलरः** आपने नोटिस किया होगा कि मेकअप करने के बाद आंखों और चिन के आसपास डार्कनेस नजर आने लगती है। इस डार्कनेस को हटाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसको सिर्फ आपको आंखों के नीचे, चिन और माथे के फ्रंट पर अप्लाई करना है। फिर ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से कंसीलर को थपथपाएं। **फाउंडेशनः** कंसीलर अप्लाई करने के बाद आपको अपने हाथों पर फाउंडेशन लेकर ब्रश की सहायता से पूरे चेहरे पर लगाना है। फिर ब्यूटी ब्लेंडर की सहायता से आपको फाउंडेशन को पूरे फेस पर अप्लाई करते हुए ईवन करना है। **लूज पाउडरः** फाउंडेशन के बाद आपको ब्रश की मदद से पूरे फेस को लूज पाउडर से कवर करना है। इससे आपका फेस और मेकअप बिलकुल एक समान नजर आएगा। **ब्लशः** आजकल मार्केट में लिप्स पर लगाने वाले टिंट को भी गालों पर ब्लश की तरह यूज किया जा रहा है।

ब्यौहारी पुलिस ने चोरी के लोहे के कबाड़ के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की चोरी का 44 क्विंटल लोहे का कबाड़ सहित ट्रक जब्त

ब्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्यौहारी पुलिस ने ने चोरी के लोहे के कबाड़ के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए रीवा-शहडोल मुख्य मार्ग पर एक ट्रक को जब्त किया है। कार्रवाई में करीब 44 क्विंटल लोहे का कबाड़ बरामद किया गया, जिसे बिना किसी वैध दस्तावेज के परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 दिसंबर 2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मोहम्मद सरीफ, निवासी वार्ड क्रमांक 02 मुंदरिया, ब्यौहारी द्वारा एक ट्रक में चोरी का लोहा का कबाड़ ले जाया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी, नरेन्द्र उपाध्याय एवं सुखेन्द्र त्रिपाठी के साथ ब्यौहारी थाना के सामने रीवा-शहडोल रोड पर ट्रक को रोका गया।

जांच के दौरान ट्रक में भारी मात्रा में लोहे का कबाड़ लोड पाया गया। ट्रक चालक ने अपना नाम राजेश माली (43 वर्ष), निवासी ग्राम बोरदामांड़ा, थाना कयथा, जिला उज्जैन बताया। वहीं कबाड़ का मालिक मोहम्मद सरीफ (65 वर्ष), निवासी मुंदरिया, ब्यौहारी होना बताया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ही आरोपी ट्रक व लोड माल से संबंधित टीपी, बिल्टी, खरीदी रसीद अथवा नहीं कर सके। अन्य कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत वाहन की चेसिस सहित अन्य कबाड़ मिला इसके बाद ट्रक को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया। 25 दिसंबर 2025 को गोपाल धर्मकांटा पर ट्रक का वजन कराया गया, जिसमें कुल वजन 14,215 किलोग्राम पाया गया।

इसमें ट्रक का वजन 9,790 किलोग्राम तथा लोहे के कबाड़ का वजन 4,425 किलोग्राम दर्ज किया गया। बरामद कबाड़ में मोटी लोहे की पाइप, सेंटिंग प्लेट, मोटर साइकिल का चेसिस, ट्रॉली जैक, हैंडपंप की सरिया, चारपहिया वाहन के पार्ट्स, सरिया, लोहे के टुकड़े, प्लेट,चैन, नट-बोल्ट सहित अन्य सामान शामिल है। जरूरी दस्तावेज नहीं होना किया गया दर्ज बताया जाता है कि वैध दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर आरोपियों को बी.एन.एस.एस. के तहत नोटिस दिया गया, जिसमें दस्तावेज न होना दर्ज किया गया। पुलिस ने 25 दिसंबर 2025 को ट्रक सहित लोहे का कबाड़ विधिवत जप्त कर लिया। आरोपी मोहम्मद सरीफ एवं ट्रक चालक राजेश माली के विरुद्ध प्रथम दृष्टया बी.एन.एस. की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी, थाना प्रभारी ब्यौहारी के नेतृत्व में नरेन्द्र उपाध्याय एवं सुखेन्द्र त्रिपाठी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से कबाड़ माफिया में हड़कंप मच गया है।

श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार की 18वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। आदिवासी जन पावर के तत्वाधान में श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार पूर्व विधायक सदर राबर्ट्सगंज की 18वीं पुण्यतिथि 2 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। कार्यक्रम लोढ़ी पालीटेक्निक रोड आदिवासी आवास के पास आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद छोटेलाल खरवार होंगे।

आदिवासी जन पावर के जिला अध्यक्ष शिव नारायण खरवार ने बताया कि कार्यक्रम में जिले के सभी समुदाय के लोगों की सहभागिता से सफल बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार एक महान नेता थे और उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी याद में श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आदिवासी जन पावर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुट गए हैं।

राष्ट्र के सर्वांगीण उन्नति के लिए कार्य कर रहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-हर्ष अग्रवाल

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। जनपद में आज के हिंदू सम्मेलन क्रमशः विकासखंड छपका के सलखन न्याय पंचायत का रामलीला मैदान सलखन के प्रांगण में, विकासखंड घोरावल के डोमखरी न्याय पंचायत का डिबर में, विकासखंड करमा के सरंगा न्याय पंचायत का श्री राम पैलेस करमा में,नगर सोनभद्र के हनुमान बस्ती का अकड़हवा तालाब के पास में श्रीमती गुंजन नंदा, नंदलाल, बृजेश, हर्ष अग्रवाल के मुख्यातिथ्य में संम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रमशः जगदीश शुक्ला, विपिन तिवारी, श्रीमती मीनू चौबे, पवन कुमार मिश्रा ने किया। हर्ष अग्रवाल ने हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये कहा हा यह सत्य है कि हम कभी विस्तारवादी नहीं रहे किंतु आज वह समय आ गया है कि हमें विस्तारवादी भी होना होगा और ईंट का जवाब पत्थर से देते हुए हमारी संस्कृति पर बुरी नजर डालने वालों को सबक सिखाना होगा। समाज में बढ़ रही सामाजिक कुरीतियों पर भी उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और समाज को नशे की लत से दूर रहने और इसका पूर्ण रूप से त्याग करने का आह्वान किया। साथ ही, बच्चों पर मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते दुष्प्रभावों को लेकर भी लोगों

को जागरूक किया और अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने हिन्दू समाज को एकजुट रहने, अपनी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र है और सदैव रहेगा। उन्होंने हिन्दू समाज से अपने सनातन धर्म के गौरव को पहचानने और उस पर गर्व करने का आह्वान किया।

आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण को केंद्र सलाकन में आयोजित मातृशक्ति आधारित हिंदू सम्मेलन इस कार्यक्रम में मंच से लेकर श्रोता तक मातृशक्ति रही मातृशक्ति को संबोधित करते हुए श्रीमती गुंजन नंदा ने कहा कि राष्ट्र और समाज के लिए सदैव सर्वस्व न्योछावर कर देने वाली मातृशक्ति वंदनीय रही है और रहेगी।कार्यक्रम में जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी,सह संयोजक राजीव मिश्रा, खण्ड संयोजक सतेन्द्र, राहुल, संकल्प, मीनू चौबे, संजय केशरी, संगीता, देवंती, सुनीता, किरण, सुमन, चांदनी, गीता, रानी,मीना, लक्ष्मण, पिंकी, नीलम,सूरज तिवारी, कामेश सिंह, भूपेंद्र सिंह, ब्रह्मानंद तिवारी, गोपाल सिंह बैच, विशाल सिंह ,राज कुमार , वी रामदुलारे शुक्ल, विजयनाथ शुक्ल, रामपति पटेल , शिवकुमार, रमेश चौहान, बालेंद्र सिंह,विपिन तिवारी क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी ने किया।

जन्म शताब्दी समारोह पर अटल स्मृति विधानसभा सम्मेलन राबर्ट्सगंज का हुआ आयोजन

आधुनिक समाचार

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा विधानसभा राबर्ट्सगंज की विधानसभा सम्मेलन विवेकानन्द प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष मिर्जापुर मनोज जायसवाल जी मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ श्रद्धेय प0 अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल व संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या व यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि मनोज जायसवाल ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय पं. अटल बिहारी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कहा कि विराट व्यक्तित्व और मर्म को महसूस कर नाप-तौल कर शब्द रखने वाले वाक पटु हमारे परम स्नेही हमारे गौरव के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी को हम सभी भारत वासियों की ओर से उनके जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हैं। 1999 का कारगिल युद्ध इस दृष्टि का ऐतिहासिक साक्ष्य बनकर सामने आया। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर जब भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया, तब पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा दिखाई दिया। युद्ध के दौरान और उसके पश्चात वाजपेयी सरकार ने जिस प्रकार शहीदों को सार्वजनिक सम्मान प्रदान किया। वर्ष 2000 के

आसपास शहीदों और सैनिकों के कल्याण से जुड़ी नीतियों में एक अधिक संगठित और दीर्घ कालीन दृष्टि दिखाई देने लगी। इसी कालखंड में सैनिकों के परिजनों के लिए पेट्रोल पंप और एलपीजी गैस एजेंसी जैसी व्यवस्थाओं को विशेष महत्व मिला । सम्मेलन को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। इन सिद्धांतों के निर्माण एवं पोषण में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय के साथ पार्टी में नए कार्यकर्ता जुड़ते रहते हैं। सभी कार्यकर्ताओं को वाजपेयी के जीवन व उनके विचार के बारे में जानकारी देकर संगठनात्मक चरित्र निर्मित करने के उद्देश्य से अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्रद्धेय अटल जी ने सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थिक सुदृढ़ता तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। पोखरण परीक्षण से लेकर ग्राम सड़क योजना तक उनके निर्णयों ने आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी। उनकी वाणी में कविता थी और कर्म में राष्ट्र। उन्होंने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलखन सिंह नागेश्वर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत चौबे, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, उदयनाथ मौर्य, कुसुम शर्मा, ओम प्रकाश यादव, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, योगेंद्र बिन्द, दिलिप चौबे, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, दीपक दुबे, पुष्पा सिंह, रजनीश रघुवंशी, अनुपम तिवारी, अजय पांडेय, आलोक रावत, धनंजय पंडित, बलराम सोनी, सुनिल सिंह, अनिल सिंह, विनय श्रीवास्वत सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन में मची खलबलीः नगर उपाध्यक्ष राजू अग्रहरी ने पद और संगठन से नाता तोड़ा

आधुनिक समाचार

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र। समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन के पूर्व नगर उपाध्यक्ष राजू अग्रहरी ने संगठन की कार्यप्रणाली और नीतियों से क्षुब्ध होकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजू अग्रहरी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि उन्होंने बीते 26 दिसंबर को ही अपना इस्तीफा संगठन के आला पदाधिकारियों को सौंप दिया था।

इस्तीफे के बाद की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए आज उन्होंने अपना आधिकारिक पहचान पत्र (ध्३-र्पे) जिला कोषाध्यक्ष ईश्वर चंद्र के पुत्र को सुपुर्द कर दिया। राजू अग्रहरी का कहना है कि वे संगठन के भीतर चल रही गतिविधियों और कार्यशैली से काफी समय से परेशान और दुखी थे, जिसके चलते उन्होंने यह कड़ा कदम उठाया है। उनके इस फैसले से स्थानीय स्तर पर संगठन की कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली बेलगाम, आरटीआई से खुली विभाग की पोल

झाँसी। जनपद में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर ट्राली बिना नंबर के अवैध रूप से बालू, गिट्टी, सरिया, गुम्मा आदि का परिवहन करते हुए दिखाई देते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि यह सभी वाहन बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं जिससे कई बार इनके द्वारा दुर्घटनाओं के बाद उनकी पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर यातायात पुलिस जनपद के बाहर की गाड़ियां देखकर तुरंत उन्हें साइड लगवा देते हैं और चालान के नाम पर कई बार वसूली भी हो जाती है लेकिन जब भी बिना नंबर के ट्रैक्टर ट्राली दिखाई देती हैं तब यातायातकर्मी उनकी अनदेखी कर देते हैं।सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त दस्तावेजों ने झांसी में परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरटीआई के जवाब में जो तथ्य सामने आए हैं, वे यह दर्शाते हैं कि जिले में बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली खुलेआम सड़कों पर दौड़ रही हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नाममात्र की ही की जा रही है।

आरटीआई में मांगी गई जानकारी के अनुसार जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच परिवहन विभाग ने बिना नंबर के केवल 28 ट्रैक्टर-ट्रॉली पर ही चालान/निरोध की कार्रवाई की,

जबकि इसी अवधि में 380 ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहनों पर सामान्य कार्रवाई दर्शाई गई है। सवाल यह है कि जब जिले में अवैध खनन, बालू, गिट्टी और ईंटों का परिवहन बड़े पैमाने पर हो रहा है, तो बिना नंबर वाहनों की संख्या इतनी कम कैसे हो सकती है।सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि अवैध बालू, गिट्टी और ईंट परिवहन रोकने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली के संबंध में कोई विशेष अभियानात्मक निर्देश ही परिवहन विभाग को प्राप्त नहीं हुए। यानी अवैध परिवहन पर लगाम लगाने के लिए विभाग के पास कोई ठोस योजना या निर्देश मौजूद ही नहीं हैं।आरटीआई के जवाब में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस गंभीर मुद्दे पर खनन विभाग या पुलिस विभाग को कोई सूचना या पत्राचार नहीं किया गया, जिसे जवाब में सीधे-सीधे 'शून्य' दर्शाया गया है। इससे विभागों के बीच समन्वय की पूरी तरह कमी उजागर होती है। जानकारों का कहना है कि बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, ओवरलोडिंग और अवैध खनन को भी खुला संरक्षण दे रही हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता यह संकेत देती है कि या तो जमीनी हकीकत से आंखें मूंदी जा रही हैं, या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।आटीआई से सामने आए ये तथ्य प्रशासन और परिवहन विभाग के दावों की हकीकत उजागर करते हैं। यातायात माह के समय बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन और कार चालकों के बड़ी संख्या में चालान किए जाते हैं लेकिन अगर बात ट्रैक्टर ट्राली की हो तो प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता। अब देखना यह है कि इस खुलासे के बाद जिला प्रशासन और शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या यह मामला भी दबकर रह जाएगा।

भरत चले चित्रकूट श्री राम को मनाने,श्रद्धालुओं ने की श्री राम दरबार की मंगला आरती

मानस पाठ के पांचवे दिन श्री राम दरबार का हुआ भव्य श्रृंगार - श्रद्धालुओं ने की श्री राम दरबार की मंगला आरती

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। नगर के आर.टी.एस. क्लब मैदान में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के पांचवें दिन प्रभु श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार शिशु त्रिपाठी ने किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन एवं महामंत्री सुशील पाठक सहित मंच पर भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम दरबार की मंगला आरती की।

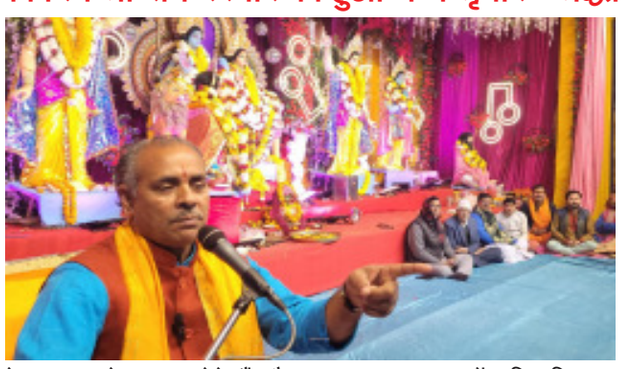

वही पांचवें दिन पाठ करते हुए काशी से पधारे आचार्य सूर्य लाल मिश्र जी ने कहां कि भगवान राम के वनवास के बाद चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ की मृत्यु के पश्चात ननिहाल से भरत एवं शत्रुघ्न को बुलवाया जाता है अयोध्या लौट कर दोनों भाई भगवान राम लक्ष्मण सीता के वनवास से अवगत होते हैं और मां कैकेई को अपशब्द कहते हुए बनवास की दोषी मंथरा को दंड देते हैं। इसके पश्चात चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ का अंतिम संस्कार करते हैं। इसके बाद माताओं एवं गुरु वशिष्ठ के परामर्श से भरत एवं शत्रुघ्न गुरु माताओं सहित चित्रकूट पहुंचते हैं, काफी अनुनय विनय के पश्चात जब राम अयोध्या लौटने के लिए तैयार नहीं होते हैं तो उनकी चरण पादुका लेकर भरत अयोध्या के लिए प्रस्थान करते हैं। वही एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथावाचक हेमंत त्रिपाठी एवं वाराणसी से आए कथा व्यास विपिन बिहारी पाठक ने कहां कि कैकेई द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांग कर भगवान राम को 14 वर्षों का वनवास दिला दिया गया उन्होंने कहा सुना हूं प्राण प्रिय भागव जी का। देहु एक वर भारतहि रोका। मांगहूं इसर कर जोरी। परवहु नाथ मनोरथ मोरी।इस दोहे के अनुसार रामजी आजीवन वनवासी बन जाते हैं लेकिन शिव की कृपा से माने गए वरदान में परिवर्तन हो गया।

वहीं कथा के तीसरे सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक प्रकाश चंद्र विद्यार्थी मानस के दोहे का वर्णन करते हुए कहा कि तापस वेष विशेष उदासी। चौदह वरिस राम वनवासी। यानी राम जी केवल 14 वर्ष के लिए ही वनवासी हो क्योंकि जिस दिन कैकई ने वरदान मांगा था उस दिन से रावण की आयु मात्र 14 वर्ष ही शेष बचा था। आगे कहा कि जहां तहं मीर अगाधा। जिमी हरी शरण न एकउ बाधा।। बताएं कि संसार के सभी प्राणी सुख चाहते हैं लेकिन सुख मिलता कहां है। सब सुख लइई तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना।। भगवान की शरण में जाने का तरीका आ जाए और उनको अपना रक्षक मान लेने से चारों तरफ सुखी हो जाता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एमएलसी विनीत सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, इंद्रदेव सिंह, समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, राहुल श्रीवास्तव, विजय जैन, शिशु त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, विजय शंकर चतुर्वेदी, चेखुर पाण्डेय, मोहन कुशवाहा, रचना तिवारी, रविन्द्र पाठक, अनूप तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला अपराध निरोधक कमेटी ने मेला पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का लिया संकल्प

आधुनिक समाचार

पुलिस अधीक्षक माघ मेला श्री नीरज कुमार पाण्डेय ध्इए के दिशा-निर्देशों पर आज दिंनाक 28.12.2015 को रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला के तीर्थराज सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला श्री विजय आनंद की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड श्री जगदीश कालीरमन की उपस्थिति में जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्यों की गोष्ठी आयोजित की गई ।

सर्वप्रथम संस्था के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव व उनकी टीम ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माघ मेला-2026 को सकुशल संपन्न कराने हेतु पुलिस व प्रशासन के साथ सामंजस व समन्वय बनाकर कार्य करने का संकल्प लिया गया एवं संस्था के लगभग 1000 सदस्य पुलिस बल के साथ मिलकर माघ मेला के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करेंगे । गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा संस्था के सदस्यों द्वारा पूर्व में किए गए सराहनीय कार्य हेतु आभार व्यक्त करते हुए बताया गया कि हम लोगों का मूल उद्देश्य मुख्यतः सुगम आवागमन, सुरक्षित प्रवास व सुरक्षित स्नान संपन्न करना होता है । इसके उपरांत मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड द्वारा बताया गया कि तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न कराए जाने में पुलिस व प्रशासन के साथ अन्य सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है । कार्यक्रम का संचालन संगठन प्रभारी सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा किया गया । इस मौके पर संस्था के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव, विधिक सलाहकार लक्ष्मीकांत मिश्र, कैंप शिविर प्रभारी भावना त्रिपाठी के साथ प्रयागराज जनपद थाना सेआऐ कई पदाधिकारी एवं सदस्य गण के साथ नैनी यमुनानगर से यूथ टीम से

क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी विमल सक्सेना, विनोद केसरवानी, रोहित सिंह, कार्यक्रम अधिकारी,सक्षम शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी संदीप चंद्र श्रीवास्तव, गौरव विश्वकर्मा , अतुल सिंह, शिव प्रताप सिंह, नीरज मिश्रा,अजीत प्रताप सिंह, आकाश सिंह, अश्वनी कुशवाहा, राम प्रकाश प्रजापति,पत्रकार राम जी केसरवानी, के साथ यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा और महिला टीम के साथ रेनू सक्सेना के साथ अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

देश को नया आत्मविश्वास मिला 2025 में 'मन की बात' का ये आखिरी एपिसोड हैःडॉ धर्मवीर

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। नगर के बूथ संख्या 14 पर देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री की मन की बात भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी की नेतृत्व में सुनी गई पीएम नरेंद्र मोदी आज मन की बात कार्यक्रम में देश को संबोधित किया। मन की बात कार्यक्रम का आज 129वां एपिसोड था, जिसमें प्रधानमंत्री ने 2025 की उपलब्धियों का जिक्र किया और कहा कि इससे देश को नया आत्मविश्वास मिला। 2025 में 'मन की बात' का ये आखिरी एपिसोड है, अब हम साल 2026 में ऐसे ही उमंग और उत्साह के साथ, अपनेपन के साथ अपने 'मन की बातों' को करने के लिए 'मन की बात' के कार्यक्रम में जरूर जुड़ेंगे। लोगों से मिलने वाले सुझाव और इस दिशा में उनके प्रयासों को देखकर ये विश्वास और मजबूत होता है और जब ये सब बातें मेरे तक पहुँचती हैं, तो 'विकसित भारत' का संकल्प जरूर सिद्ध होगा । ये विश्वास दिनों दिन मजबूत होता जाता है । साल 2026 इस संकल्प सिद्धि की यात्रा में एक अहम पड़ाव साबित हो, आपका और आपके परिवार का जीवन खुशहाल हो, इसी कामना के साथ इस एपिसोड में विदाई लेने से पहले मैं जरूर कहूँगा, 'फिट इंडिया श्दनसहू' आप को भी फिट रहना है

। ठंडी का ये मौसम व्यायाम के लिए बहुत उपयुक्त होता है, व्यायाम जरूर करें । आप सभी को 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मणिपुर के चुराचांदपुर में मारग्रेट रामथरसेम जी के प्रयास ऐसे ही हैं। उन्होंने मणिपुर के पारंपरिक उत्पादों को, वहाँ के हैंडीक्राफ्ट को, बांस और लकड़ी से बनी चीजों को, एक बड़े विजन के साथ देखा और इसी विजन के कारण, वो एक हैंडीक्रफ्ट से लोगों के जीवन को बदलने का माध्यम बन गईं। आज मारग्रेट जी की यूनिट उसमें 50 से ज्यादा कलाकार काम कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मेहनत से दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में, अपने उत्पादों का एक बाजार भी विकसित किया है। मणिपुर से ही एक और उदाहरण सेनापति जिले की रहने वाली चोखोने क्रिचेना जी का है । उनका पूरा परिवार परंपरागत खेती से जुड़ा रहा है। इन दिनों कच्छ के रण में उत्सव चल रहा है । इस साल कच्छ रणोत्सव का ये आयोजन 23 नवंबर से शुरु हुआ है, जो 20 फरवरी तक चलेगा । यहां कच्छ की लोक संस्कृति, लोक संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प की विविधता दिखाई देती है। कच्छ के सफेद रण की भव्यता देखना अपने आप में एक सुखद अनुभव है। आज इससे 500 से ज्यादा उत्पाद बन रहे हैं और ढ़ाई-सौ से ज्यादा गांवों में करीब-करीब 1 लाख महिलाओं को इससे काम मिल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप सेउत्कर्ष पांडे.संदेश पटेल .अजित पाल सिंह. .कृपा शंकर .शशिकान्त पाण्डेय. संतोष मोर्या. श्याम लाल सोनी.श्याम कुमार . सोनु बिनोद सोनी इत्यादि लोग शामिल हुए।

अटल जी ने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दियाः मनोज जायसवाल

जन्म शताब्दी समारोह पर अटल स्मृति विधानसभा सम्मेलन का आयोजन

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा विधानसभा राबर्ट्सगंज की विधानसभा सम्मेलन विवेकानन्द प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष मिर्जापुर मनोज जायसवाल मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ श्रद्धेय प0 अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल व संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या व यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि मनोज जायसवाल ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय पं. अटल बिहारी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कहा कि विराट व्यक्तित्व और मर्म को महसूस कर नाप-तौल कर शब्द रखने वाले वाक पटु हमारे परम स्नेही हमारे गौरव के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी को हम सभी भारत वासियों की ओर से उनके जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हैं। 1999 का कारगिल युद्ध इस दृष्टि का ऐतिहासिक साक्ष्य बनकर सामने आया। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर जब भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया, तब पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा दिखाई दिया। युद्ध के दौरान और उसके पश्चात वाजपेयी सरकार ने जिस प्रकार शहीदों को सार्वजनिक सम्मान प्रदान किया। वर्ष 2000 के आसपास शहीदों और सैनिकों के कल्याण से जुड़ी नीतियों में एक अधिक संगठित और दीर्घ कालीन दृष्टि दिखाई देने लगी। इसी कालखंड में सैनिकों के परिजनों के लिए पेट्रोल पंप और एलपीजी गैस एजेंसी जैसी व्यवस्थाओं को विशेष महत्व मिला। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। इन सिद्धांतों के निर्माण एवं पोषण में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल

उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय के साथ पार्टी में नए कार्यकर्ता जुड़ते रहते हैं। सभी कार्यकर्ताओं को वाजपेयी के जीवन व उनके विचार के बारे में जानकारी देकर संगठनात्मक चरित्र निर्मित करने के उद्देश्य से अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्रद्धेय अटल जी ने सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थिक सुदृढ़ता तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। पोखरण परीक्षण से लेकर ग्राम सड़क योजना तक उनके निर्णयों ने आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी। उनकी वाणी में कविता थी और कर्म में राष्ट्र। उन्होंने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलखन सिंह नागेश्वर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत चौबे, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, उदयनाथ मौर्य, कुसुम शर्मा, ओम प्रकाश यादव, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, योगेंद्र बिन्द, दिलिप चौबे, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, दीपक दुबे, पुष्पा सिंह, रजनीश रघुवंशी, अनुपम तिवारी, अजय पांडेय, आलोक रावत, धनंजय पंडित, बलराम सोनी, सुनिल सिंह, अनिल सिंह, विनय श्रीवास्वत सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चैंपियंस ट्रॉफी की खुशी, टेस्ट के झटके और कोहली-रोहित का संन्यास!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुरुष और महिला दोनों ही क्रिकेट में 2025 में भारतीय क्रिकेट ने कई ऊंचाइयां हासिल कीं और कुछ ही उतार-चढ़ाव देखे। कई ऊंचाइयों में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में घरेलू मैदान पर महिला टीम की पहली वनडे विश्व कप जीत शामिल थी, वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती। पुरुष टीम को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, साथ ही इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका भी गंवा दिया। प्रशंसकों को रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की बात भी सहनी पड़ी। वहीं इस सुपरस्टार जोड़ी ने वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रमशः प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतः भारत के लिए 2025 का सबसे गौरवशाली क्षण दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी की जीत के साथ आया, जिसने श्वेत गेंद क्रिकेट में उसके दबदबे को फिर से स्थापित किया। टीम ने संतुलन, गहराई और दृढ़ता का प्रदर्शन किया, जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा और उभरते सितारों का शानदार प्रदर्शन शामिल था। फाइनल में, भारत ने न्यूजीलैंड के 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत हासिल की। रोहित शर्मा की संयमित 76 रनों की पारी ने लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। यह एक ऐसी जीत थी जिसने आलोचकों को चुप करा दिया और भारत के खाते में एक और आईसीसी ट्रॉफी जोड़ दी।

एशिया कप की खुशियाँ और विवादः एशिया कप ने बराबर मात्रा में खुशी और उथल-पुथल का माहौल बनाया। भारत ने टूर्नामेंट में दबदबा कायम रखते हुए पाकिस्तान को तीन बार हराया, जिसमें फाइनल भी शामिल था। हालांकि, ट्रॉफी वितरण समारोह में अफरा-तफरी मच गई। भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से कप लेने से इनकार कर दिया, जिसके चलते पीसीबी प्रमुख ने विवादित रूप से ट्रॉफी रोक दी। समय-निर्धारण संबंधी विवाद और अधिकारियों के बीच तीखी बहस ने इस नाटकीय घटनाक्रम को और भी रोमांचक बना दिया। हालांकि भारत की क्रिकेट प्रतिभा निर्विवाद थी, लेकिन मैदान से बाहर के विवादों ने एशिया कप को साल के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक बनाए रखा।

आरसीबीः ट्रॉफी की जीत और उथल-पुथलः रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने आखिरकार ट्रॉफी का सूखा खत्म करते हुए शानदार अंदाज में आईपीएल जीता। कोहली ने वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार ट्रॉफी अपने नाम की। जश्न का माहौल उमंग भरा था और आरसीबी को सीजन की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित किया गया। हालांकि, फाइनल के एक दिन बाद ही एक दुखद घटना घटी, जब विजय जुलूस के दौरान कई आरसीबी प्रशंसकों की मौत हो गई। आईसीसी की जीत से लेकर टेस्ट मैचों में मिली हार तक, कप्तानी में बदलाव से लेकर मैदान से बाहर के विवादों तक, 2025 भारतीय क्रिकेट के हर पहलू को समेटे हुए एक साल रहा।

महिला टीम का दबदबाः भारतीय महिला टीम का मुख्य ध्यान 2025 में वनडे मैचों पर था। लक्ष्य था विश्व कप जीतना और टूर्नामेंट के दौरान कई बार लड़खड़ाने के बावजूद, उन्होंने हरमनप्रीत कौर की शानदार अगुवाई में घरेलू मैदान पर ट्रॉफी जीती। उन्होंने साल का समापन खेल के सबसे छोटे प्रारूप में श्रीलंका पर 5-0 की शानदार जीत के साथ किया। 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप में, टीम वनडे विश्व कप के प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद करेगी।

भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 क्रिकेट विश्व कप जीताः वरिष्ठ महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतने के कुछ दिनों बाद, भारत ने कोलंबो में आयोजित पहले नेत्रहीन महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में नेपाल को हराकर खिताब जीता।

जोफ्रा आर्चर की टी-20 वर्ल्ड कप में वापसी इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। यह फैसला उस वक्त आया है, जब आर्चर हाल ही में एशेज सीरीज़ के आखिरी दो टेस्ट नहीं खेल पाए थे। वह साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उन्हें फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुना है। बता दें कि इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय अस्थायी टीम घोषित की है, जबकि श्रीलंका दौरे के लिए अलग संयोजन रखा गया है। आर्चर को फिलहाल सिर्फ वर्ल्ड कप स्क्वॉड में रखा गया है और वे श्रीलंका के खिलाफ वनडे या टी20 सीरीज़ का हिस्सा नहीं होंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। गौरतलब है कि एशेज सीरीज़ में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड टीम कई बदलावों के दौर से गुजर रही है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं जॉर्डन कॉक्स को भी जगह नहीं मिली है। दूसरी ओर, तेज़ गेंदबाज़ जोश टंग को शानदार टेस्ट प्रदर्शन का इनाम मिला है और उन्हें पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इंग्लैंड की टीम श्रीलंका में तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेलेगी, जिसके बाद वह टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। टीम का पहला मुकाबला 8 फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ होगा। यह टूर्नामेंट कप्तान हैरी ब्रूक और कोच ब्रेंडन मैकुलम के भविष्य के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

वनडे टीम की बात करें तो इंग्लैंड को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की चुनौती भी सामने है, क्योंकि फिलहाल वह रैंकिंग में आठवें स्थान पर है। इसी वजह से श्रीलंका दौरा बेहद अहम माना जा रहा है।

आर्चर के अलावा जो रूट, बेन डकेट, जैक क्रॉली, सैम करन, आदिल राशिद और विल जैक्स जैसे खिलाड़ी भी दोनों फॉर्मेट में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं युवा खिलाड़ियों को भी मौका देकर इंग्लैंड भविष्य की टीम तैयार करने की कोशिश कर रहा है।

कुल मिलाकर, एशेज की निराशा के बाद इंग्लैंड की नजरें अब सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी पर टिकी हैं, जहां टीम संतुलन, फिटनेस और संयोजन को परखते हुए नए सफर की शुरुआत करने जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 10 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नशे के अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह से ताल्लुक रखने के संदेह में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और दो किलो हेरोइन बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत अतरराष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ रुपये आंकी गयी है। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान अंशुल राणा और गंगा प्रसाद उर्फ विक्की के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, "दिल्ली के द्वारका में छापेमारी के दौरान राणा के पास से कुल 2.034 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जबकि प्रसाद को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक अलग अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया।अधिकारी ने बताया कि द्वारका के एक स्कूल के पास हेरोइन की एक बड़ी खेप पहुंचाने वाले एक तस्कर की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के बाद अपराध शाखा की एक टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया।

पत्नी के मायके से वापस न आने की वजह से युवक ने खुदकुशी की

बलिया। बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक ने पत्नी के मायके से वापस न आने को लेकर कथित रूप से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान फतरे राय के टोला निवासी बिरज कुमार यादव के तौर पर हुई है और उसने मंगलवार रात अपने घर में आत्महत्या की। थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि यादव नशे का आदी था और उसकी नशे की लत के कारण उसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी और वापस नहीं आ रही थी।

असम की डेमोग्राफी पर सीएम सरमा का बड़ा बयानः 'हिंदू दो-तीन बच्चे पैदा करें वरना...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य के हिंदू दंपतियों से एक से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि धार्मिक अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों की तुलना में हिंदुओं में जन्म दर घट रही है। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में जन्म दर अधिक है, जबकि हिंदुओं में यह लगातार गिर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बच्चे को जन्म देने की दर अधिक है। हिंदुओं में बच्चे को जन्म देने की दर घट रही है। इसमें अंतर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि उन्होंने हिंदू परिवारों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील की है। सरमा ने कहा कि इसीलिए हम हिंदू लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वे एक बच्चे पर न रुकें और कम से कम दो बच्चे पैदा करें। जो सक्षम हैं, वे तीन बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि हम मुस्लिम लोगों से सात-आठ बच्चे पैदा न करने

का आग्रह करते हैं, जबकि हम हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह करते हैं। अन्यथा, हिंदुओं के घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं होगा। इससे पहले, 27 दिसंबर को, सरमा ने राज्य में जनसंख्या के रुझानों पर भी बात की और कहा कि बांग्लादेशी मूल के मिया मुस्लिमों की आबादी 2027 की जनगणना में 40 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अखिल असम छात्र संघ (एएएसयू) से अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था, तब उनकी आबादी 21 प्रतिशत थी, जो 2011 की जनगणना में बढ़कर 31 प्रतिशत हो गई। सरमा ने कहा था कि उनकी जनसंख्या 40 प्रतिशत से अधिक होने वाली है। वह दिन दूर नहीं जब असम की भावी पीढ़ी अपनी जनसंख्या को 35 प्रतिशत से नीचे जाते हुए देखेगी।

उन्होंने आगे कहा कि वे (बांग्लादेश) अक्सर कहते हैं कि पूर्वोत्तर भारत को अलग करके बांग्लादेश में मिला लेना चाहिए। उन्हें पूर्वोत्तर भारत को लेने के लिए युद्ध लड़ने की जरूरत नहीं है। एक बार उनकी जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो जाने पर यह स्वतः ही उनके पास आ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा मुसलमानों के लिए 48 विधानसभा सीटें आरक्षित करने की हालिया मांग का भी जिक्र किया और कहा कि पार्टी की ओर से इसका कोई विरोध नहीं हुआ था।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठः पीएम मोदी बोले-यह हमारी आस्था का दिव्य उत्सव

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले महीने फहराया गया 'धर्म ध्वज' पहली बार राम लल्ला की प्रतिमा की स्थापना का साक्षी बन रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। इस पवित्र और पावन अवसर पर, देश और विदेश के सभी राम भक्तों की ओर से, भगवान श्री राम के चरणों में करोड़ों प्रणाम और नमन! सभी देशवासियों को मेरी असीम शुभकामनाएं।

मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से अनगिनत राम भक्तों का पांच शताब्दी पुराना संकल्प पूर्ण हुआ है। आज राम लल्ला एक बार फिर अपने भव्य निवास में विराजमान हैं, और इस वर्ष अयोध्या का धर्म ध्वज बारहवें दिन राम लल्ला की प्रतिष्ठा का साक्षी है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वज की पवित्र स्थापना में भाग लेने का शुभ अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कामना की कि सदाचार के प्रतीक राम लल्ला की प्रेरणा प्रत्येक नागरिक के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को गहरा करे, जो एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव बने। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण किया और हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राम लल्ला प्रतिमा का अनावरण 22 जनवरी, 2024 को 'प्राण प्रतिष्ठा समारोह' में किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक घंटे तक अनुष्ठान संपन्न हुए। समारोह का नेतृत्व उन्होंने ही किया। प्रतिष्ठा द्वादशी पटोत्सव के दूसरे दिन, श्री राम जन्मभूमि मंदिर में यज्ञ समारोहों के अंतर्गत विभिन्न अनुष्ठान संपन्न किए गए। इनमें तत्व कलश, तत्व होम, मन्यु सूक्त होम, राम तारक मंत्र होम और अन्य पवित्र अनुष्ठान शामिल थे।राम मंदिर आंदोलन पर विचार करते हुए सिंह ने कहा कि यह विश्व के सबसे शक्तिशाली जन आंदोलनों में से एक है।

उन्होंने कहा कि हम उस महान कथा की सफलता का भी जश्न मना रहे हैं। वह कथा इतनी सफल रही कि न केवल राम अपने मंदिर में आए, बल्कि आज धर्म का ध्वज भी उस मंदिर पर लहरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मैं अक्सर राम मंदिर आंदोलन के बारे में सोचता हूँ।

मुझे नहीं पता कि उस आंदोलन के बारे में क्या-क्या कहा गया है या क्या-क्या प्रचारित किया गया है। लेकिन मुझे लगता है कि राम मंदिर आंदोलन दुनिया की सबसे भव्य गाथाओं में से एक है।

जापान को पछाड़ भारत बना चौथी आर्थिक शक्ति

राहुल के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भारत के जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद वे भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए पूनावाला ने राहुल गांधी के 'बेकार अर्थव्यवस्था' वाले बयान की कड़ी आलोचना की और उनसे दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार न फैलाने को कहा। पूनावाला ने कहा कि भारत विरोधी बयान देने में माहिर राहुल गांधी बर्लिन जाकर भारत के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाते हैं, कभी सेना के खिलाफ, कभी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ, कभी सनातन धर्म के खिलाफ और कभी आर्थिक शक्ति के खिलाफ, लेकिन आज उन्हें वास्तविकता का सामना करना पड़ा है। राहुल गांधी कहते थे कि भारत की अर्थव्यवस्था बेजान है, भारत की अर्थव्यवस्था और उत्पादन बेजान है; ये दुष्प्रचार करने वाले नेता हैं, विपक्ष के नेता नहीं। उन्होंने आगे कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अब चौथे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि मनमोहन सिंह के शासनकाल में यह

11वें स्थान पर थी। आज हमने जापान को पीछे छोड़ दिया है। अगले ढाई से तीन वर्षों में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

उन्हें भारत को बदनाम करना और भारत के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाना बंद कर देना चाहिए। इससे पहले जुलाई 2025 में, राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'मृत अर्थव्यवस्था' वाले बयान को दोहराते हुए कहा था कि हां, वह सही हैं, प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं। सभी जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक तथ्य बताया है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। केंद्र सरकार की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की जीडीपी के साथ, भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले वर्षों में वैश्विक रैंकिंग में और ऊपर चढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो छह तिमाहियों में उच्चतम स्तर है और चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापार परिवेश के बावजूद मजबूत घरेलू मांग को दर्शाती है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के बाद यह वृद्धि दर्ज की गई है। इस बीच, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जीडीपी गणना पद्धति में खामी का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय सरकार विश्व स्तर पर अपनाई जाने वाली उत्पादन-आधारित पद्धति के बजाय उपभोक्ता-आधारित पद्धति का उपयोग करती है।

फरीदाबाद में चलती कार में महिला के साथ ढाई घंटे तक हुआ सामूहिक बलात्कार, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। हरियाणा के फरीदाबाद में 25 वर्षीय विवाहित महिला के साथ कथित तौर पर चलती वैन में सामूहिक बलात्कार किया गया और बाद में उसे सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित बलात्कार के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें वह वैन दिख रही है जिसमें मंगलवार को फरीदाबाद की 25 साल की महिला के साथ दो घंटे से ज़्यादा समय तक गैंगरेप किया गया और फिर उसे सड़क पर फेंक दिया गया। सीसीटीवी फुटेज में, वैन एक सड़क पर चलती हुई दिख रही है, जबकि बैकग्राउंड में कई दूसरी गाड़ियां खड़ी हैं। यह भयानक घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को हुई, जब 25 साल की महिला रात में घर जाने के लिए गाड़ी का इंतज़ार कर रही थी। दो युवकों ने उसे अपनी वैन में बिठाया और उसे घर छोड़ने का वादा किया। महिला कथित तौर पर करीब ढाई घंटे तक वैन में थी, जहां आरोपियों ने उसके साथ रेप किया। सुबह करीब 3 बजे, महिला को चलती वैन से बाहर फेंक दिया गया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। पीड़ित महिला की बहन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, वैवाहिक कलह के कारण अपने माता-पिता के घर पर रह रही महिला सोमवार शाम को सेक्टर 23 स्थित अपनी सहेली के घर गई थी और देर रात लौटते समय आरोपियों ने उसे लिफ्ट देने की पेशकश की। पीड़ित महिला किसी तरह अपनी बहन को फोन किया, जो मौके पर पहुंची और उसे बादशाह खान सिविल अस्पताल ले गई।

सपा सांसद का सनसनीखेज आरोपः पुलवामा हमला बीजेपी की थी चुनावी साजिश!

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे ने एक विवादास्पद बयान में दावा किया है कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश थी, क्योंकि पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही थी। एएनआई से बात करते हुए सनातन पांडे ने कहा कि पुलवामा हमला, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हुए थे, किसी विदेशी साजिश का नतीजा नहीं था। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों से पहले हुआ पुलवामा हमला भारतीय जनता पार्टी की साजिश थी। 2014 में भाजपा ने दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करने, महंगाई कम करने और काला धन वापस लाने का वादा किया था। पांच साल में उन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया। पांडे ने आगे कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने झूठ बोला है, इसलिए पुलवामा (आतंकवादी हमला) उनकी साजिश का हिस्सा था।

टेस्ट पिच पर आईसीसी की मुहर गुवाहाटी को मिला 'बहुत अच्छा' दर्जा

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर मचे विवाद पर अब आईसीसी की आधिकारिक राय सामने आ गई है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच की पिच को आईसीसी मैच रेफरी और वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन ने 'संतोषजनक' करार दिया है। यह मुकाबला 14 से 16 नवंबर के बीच खेला गया था और सिर्फ तीन दिन में खत्म हो गया था, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से जीत दर्ज की थी। बता दें कि इस मैच में दोनों टीमों के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 159 और दूसरी पारी में 153 रन पर सिमट गई थी, जबकि भारतीय टीम 189 और 93 रन ही बना सकी थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत तीसरे दिन ही ढेर हो गया था। इस मैच में एकमात्र अर्धशतक दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने लगाया था, जिन्होंने मुश्किल हालात में 136 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पिच पर असमान उछाल और तेज टर्न देखने को मिला, जिससे बल्लेबाजों को काफी परेशानी हुई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में 27 रन देकर पांच विकेट लिए, वहीं दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर ने मैच में कुल आठ विकेट झटके। मार्को यानसेन और रवींद्र जडेजा ने भी अहम भूमिका निभाई। गौरतलब है कि इस सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट गुवाहाटी में खेला गया, जहां की पिच को आईसीसी ने 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी। उस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 408 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज अपने नाम की, जो भारत में उसकी 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत रही। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ईडन गार्डन्स की पिच का बचाव करते हुए कहा कि विकेट में कोई 'दोष' नहीं था और यह तकनीक व मानसिक मजबूती की परीक्षा थी।

सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की नई पहचान

सगाई और आईपीएल में एलएसजी से नई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जुन तेंदुलकर का नाम शायद ही कभी सुर्खियों से दूर रहता है। इसका बड़ा कारण तो यह है कि वह सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं। हालांकि, अर्जुन की कहानी भी अब अपने आप में एक अलग पहचान बना रही है, जो एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज, धैर्य की मांग करने वाले घरेलू करियर और आईपीएल के उस सफर पर आधारित है, जिसमें उन्होंने रातोंरात स्टार बनने की बजाय बहुत कुछ सीखा है। पिछले कुछ महीनों में, दो बातों को लेकर उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी।

इसमें एक व्यक्तिगत हैः सानिया चंदोक से उनकी सगाई की खबरें, जो सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में तेज़ी से चर्चा का विषय बन गईं। दूसरी पेशेवर हैः आईपीएल 2026 से पहले आईपीएल का बदलता परिदृश्य, जहां टीमों, खिलाड़ियों के अदला-बदली और बरकरार रखे गए मुख्य खिलाड़ियों ने कई नए और उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए अवसरों को नए सिरे से परिभाषित किया है। अर्जुन के लिए, इन दोनों बातों ने उनके अब तक के कारनामों और उन्हें अभी क्या साबित करना है, इस पर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है।

आईपीएल 2026 से पहले अर्जुन तेंदुलकर की चर्चा का सबसे बड़ा कारण उनकी फ्रेंचाइजी में बदलाव है। सीजन से पहले, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स में भेज दिया गया, जिससे उन्हें एक नए ड्रेसिंग रूम में एक अलग नेतृत्व समूह और संभवतः एक अलग भूमिका निभाने का मौका मिला। आजकल जब मशहूर हस्तियों के प्रेम प्रसंग अक्सर ड्रामे, सनसनीखेज पोस्ट और अंतहीन अटकलों से भरे होते हैं, तब दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन और सानिया चंदोक की कहानी अपनी सादगी और आकर्षण के लिए अलग पहचान रखती है। इस साल की शुरुआत में जब सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन की सगाई की खबर फैली, तो हर कोई सोचने लगाः क्या यह पारिवारिक दबाव में हुई अरेंज्ड मैरिज थी? हालांकि, बाद में पता चला कि अर्जुन और सानिया एक-दूसरे को काफी समय से जानते और डेट कर रहे थे, और अब इस जोड़े ने अपने परिवारों के आशीर्वाद से अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने का फैसला किया है। खबरों के मुताबिक, सानिया और अर्जुन एक-दूसरे को अपने परिवारों के जरिए कई सालों से जानते हैं। दरअसल, सानिया और अर्जुन की बहन सारा दोस्त हैं और सारा अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करती हैं! इसलिए, दोस्ती से प्रेमी और अब जीवन साथी बनने का सफर सानिया और अर्जुन दोनों के लिए स्वाभाविक ही रहा। 13 अगस्त, 2025 को अर्जुन और सानिया की सगाई की खबर इंटरनेट पर तब छा गई जब उनकी निजी सगाई की तस्वीरें लीक हो गईं। सगाई में सिर्फ करीबी परिवार और कुछ दोस्त ही शामिल थे - कोई फोटोग्राफर नहीं, कोई भव्य आयोजन नहीं। कुछ तस्वीरें लीक होते ही, अचानक शुभकामनाओं की बाढ़ आ गई, खासकर तेंदुलकर के प्रशंसकों की तरफ से, जो अर्जुन को इस नए निजी पड़ाव को इतनी सहजता से स्वीकार करते देखकर खुश थे।

माइकल वॉन ने ख्वाजा से कहाः अपनी शर्तों पर सिडनी में एशेज टेस्ट से लो संन्यास!

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा से आगामी ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड के पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में अपनी शर्तों पर संन्यास लेने और अपना भविष्य खुद तय करने का आग्रह किया है। यह टेस्ट 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होने वाला है। हालाँकि ख्वाजा के संन्यास की चर्चाओं ने हाल ही में जोर पकड़ा है, लेकिन उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद कहा कि ख्वाजा के भविष्य के बारे में उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है और उन्होंने बाहरी अटकलों को खारिज कर दिया।

ख्वाजा ने एशेज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से सलामी बल्लेबाज के रूप में की थी, लेकिन पर्थ में पीठ में ऐंठन के कारण उन्होंने सलामी बल्लेबाजी नहीं की। वह ब्रिस्बेन टेस्ट में नहीं खेले और शुरुआत में उन्हें एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिया गया था, स्टीवन स्मिथ की बीमारी के कारण ही उन्हें नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के लिए वापस बुलाया गया। 39 वर्षीय ख्वाजा का पिछले दो वर्षों में औसत क्रमशः 25.93 और 36.11 रहा है। 2025 में, उन्होंने 18 पारियों में एक अर्धशतक और एक शतक सहित 614 रन बनाए हैं। उन्होंने अपना एकमात्र शतक जनवरी-फरवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के दौरान बनाया था, जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 232 रनों की विशाल पारी खेली थी। सिडनी एशेज टेस्ट से पहले, वॉन ने ख्वाजा से आग्रह किया कि वे अपने भाग्य का फैसला खुद करें और अपने घरेलू मैदान पर अपने तरीके से अपने शानदार करियर का अंत करने के अवसर का आनंद लें। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, वॉन ने कहा, 'मैं उस्मान से कहूंगा, 'उन्हें फैसला न करने दो। तुम अपना भाग्य खुद तय करो।

एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने फिर मचाया 'एक दो तीन' पर धमाल

मुम्बई। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने एक दौर में बॉलिवुड पर राज किया है। उन्होंने एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी थीं और वह उस समय टॉप ऐक्ट्रेस में शुमार होती थीं। हालांकि वक्त के साथ अभी भी माधुरी दीक्षित की पॉप्युलैरिटी बिल्कुल कम नहीं हुई है और उनकी अभी भी अच्छी खासी फैन-फॉलोइंग है। माधुरी के शुरुआती सुपरहिट गानों की बात करें तो फिल्म 'तेजाब' का गाना 'एक दो तीन' जरूर गिना जाएगा। अब माधुरी ने इस गाने को एक बार फिर मजेदार तरीके से रीक्रिएट किया है। माधुरी दीक्षित आजकल टीवी रिऐलिटी शो 'डांस दीवाने' में जज की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसी शो का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है जिसमें वह 'डांस दीवाने' के सेट पर डांसर शक्ति मोहन के साथ अपने सुपरहिट गाने 'एक दो तीन' को रीक्रिएट नजर आ रही हैं। वीडियो में माधुरी और शक्ति के पीछे पुनीत पाठक और तुषार कालिया भी नजर आ रहे हैं। माधुरी दीक्षित का यह वीडियो फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो पोस्ट के नीचे कोरियॉग्रफर फराह खान और मुक्ति मोहन ने हार्ट इमोजी बनाकर कॉमेंट भी किया है। वैस बता दें कि हाल में माधुरी दीक्षित मालदीव में छुट्टियां बिताकर आई हैं। मालदीव से भी माधुरी ने अपनी काफी दिलकश तस्वीरें शेयर की थीं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी पिछली बार फिल्म 'कलंक' में नजर आई थीं जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट, संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर, वरुण धवन और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आए थे। अब माधुरी जल्द ही 'फाइंडिंग अनामिका' से डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं।

खुद की बायोपिक में पोती सारा को देखना चाहती हैं शर्मिला टैगोर

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेत्री व इंटरनेट सनसनी तैमूर अली खान की दादी शर्मिला टैगोर का कहना है कि उनके पोते की तस्वीरें लेने को लेकर पापाराजी के बीच मची होड़ से निपटने का एकमात्र तरीका यही है कि इसे स्वीकार किया जाए और उन्हें ऐसा करने दिया जाए। अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री करीना के दो साल के बेटे तैमूर हमेशा पापाराजी के झुंड से घिरे रहते हैं। शर्मिला (74) ने रविवार को हैलो! हॉल ऑफ फेम अवार्ड्स 2019 के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि हमें इसके साथ रहना होगा। यह सोशल मीडिया का दौर है। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में कुछ किया जा सकता है।' अभिनेत्री का मानना है कि अगर हम इस चलन से निपट नहीं सकते तो फिर इसको स्वीकार कर इससे जुड़ जाना चाहिए। हालांकि, वह आशंकित भी हैं। उनका मानना है कि तैमूर के

लिए हद से ज्यादा मीडिया कवरेज अच्छा नहीं है क्योंकि वह अभी बहुत छोटा है। शर्मिला ने कहा, 'मैं बहुत ओल्ड फैशन वाली महिला हूं। मुझे नहीं लगता कि बच्चों को लेकर सोशल मीडिया पर इस तरह का कुछ होना चाहिए। हालांकि, मैंने सारा से सुना है कि अगर आप इन सबसे निपट नहीं सकते तो फिर उन्हें स्वीकार करें और उनसे जुड़ जाएं।' तैमूर की तस्वीरें नियमित रूप से सुर्खियों में छाई रहती हैं।शर्मिला से जब पूछा गया कि वह कैसा महसूस करती है तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे इस बारे में खुश होना चाहिए लेकिन मेरा मानना है कि बच्चे के लिए यह अच्छा नहीं है।

पहली ही नजर में जूही चावला को दिल दे बैठे थे इमरान खान, फिर अंगूठी पहनाकर की थी सगाई

मुम्बई। पहली ही नजर में जूही चावला को दिल दे बैठे थे इमरान खान, फिर अंगूठी पहनाकर की थी सगाईइमरान खान के मुताबिक जूही चावला ने चार दिन बाद उन्होंने वो

अंगूठी वापस कर दी थी।

जब भी बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेसस की बात होगी उनमें एक नाम जूही चावला का भी होगा। अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस जूही को बी-टाउन में उनकी मनमोहक मुस्कान और चुलबुले अंदाज के लिए जाना जाता है। जूही ने भले ही अपने करियर की शुरुआत सन् 1986 में फ्लॉप फिल्म 'सल्तनत' से की हो। लेकिन जल्द ही 'कयामत से कयामत तक' ने उन्हें पहचान और शाहरुख की 'डर' से उन्हें स्टारडम मिल गया। वही अगर उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने आमिर खान के भतीजे इमरान खान से पहली सगाई की थी, आपको भी यकीन नहीं हुआ? जी हां, इमरान खान और जूही चावला की सगाई तक हो चुकी है। ये हम नहीं कह रहे बल्कि इस बात का खुलासा इमरान खान ने खुद किया।

दरअसल ये बात उस वक्त की है जब इमरान, चाचा आमिर खान और जूही चावला की फिल्मों की शूट पर आमिर के साथ जाते थे। ऐसी एक शूट पर जब इमरान ने जूही को देखा तो पहली बार में ही लव एट फर्स्ट साइट हो गया। यहां तक की उन्होंने जूही से अपने दिल की बात बोल दी और लगे हाथ सगाई भी कर ली। जी हां, इमरान ने जरा भी देर न करते हुए जूही को सेट पर ही सगाई के तौर पर अंगूठी दी थी। और जूही चावला ने ये एक्सेप्ट भी कर ली, तो हो गई ना जूही चावला और इमरान खान की सगाई। भले ही उस समय उनकी उम्र चार साल रही हो। जी, ये सब इमरान ने चार साल की उम्र में किया था। एक इंटरव्यू में इमरान खान से जब उनकी फर्स्ट वाइफ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ये पूरी बात बताई थी। उन्होंने कहा, फर्स्ट वाइफष्ठ हां मेरी फर्स्ट वाइफ जूही चावला थीं। जब मैं चार साल का था तो मैंने उन्हें प्रपोज किया और सगाई के तौर पर एक अंगूठी भी दी थी। उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया था। लेकिन चार दिन बाद उन्होंने वो अंगूठी वापस भी कर दी थी। उसके बाद रिलेशन वर्कआउट नहीं हो पाया और वो अपने करियर में आगे बढ़ गईं। कहा जाता है कि इमरान खान अपनी पहली फिल्म 'जाने तू या जाने ना' में चाहते थे कि इस फिल्म में उनकी मां का रोल जूही चावला ही करें। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया था।

अली फजल का फिल्म 'मिलन टॉकीज' से है रियल लाइफ कनेक्शन

मुम्बई। यह एक सुखद संयोग है कि अभिनेता अली फजल ने अपनी पहली फुल रोमांटिक फिल्म 'मिलन टॉकीज' ठीक ऐसे समय में की है जब अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के साथ प्रेम प्रसंग को लेकर वह सुर्खियों में बने रहते हैं। सफल डिजिटल सीरीज 'मिर्जापुर' के दूसरे सीजन की तैयारी कर रहे अली ने स्वीकार किया कि वास्तविक जिंदगी में प्यार में होने से ऑनस्क्रीन का प्यार ज्यादा दिलचस्प बन जाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि प्यार को जिस नजरिए से आप देखते हैं तो वह उसे प्रभावित करता है। यह कैसे नहीं करेगा? लेकिन 'मिलन टॉकीज' में प्यार को दर्शाने के लिए मैंने अपनी भावनाओं से कहीं ज्यादा भरोसा निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के मार्गदर्शन पर किया। उन्होंने कभी भी पूरी तरह से प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म नहीं बनाई थी और मैंने भी नहीं की थी।' अली ने पर्दे पर प्रेम कहानियों की कमी पर अफसोस जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'हमें 'मिलन टॉकीज' जैसी विशुद्ध प्रेम कहानियां वास्तव में देखने को नहीं मिलतीं।

'द राजा साब' के गाने के लॉन्च पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल की सुरक्षा पर सवाल

मुम्बई। प्रभास-स्टारर 'द राजा साब' अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में है। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म का गाना 'सहना सहना' लॉन्च करने के लिए हैदराबाद में एक इवेंट रखा। हालांकि, जब एक्ट्रेस निधि अग्रवाल वेन्यू से बाहर निकल रही थीं, तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ धक्का-मुक्की की, जिससे इवेंट में अफरा-तफरी मच गई। इवेंट के कई वीडियो ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे हैं, जिनमें निधि को वेन्यू से बाहर निकलते समय अपनी कार तक पहुंचने में संघर्ष करते हुए देखा जा सकता है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी फिल्म 'द राजा साब' के गाने 'सहना सहना' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं, जहां उन्हें फैंस ने घेर लिया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस घटना की आलोचना की है और प्लेटफॉर्म्स पर अपने विचार शेयर किए हैं। एक यूजर ने लिखा, गाने के लॉन्च पर इस तरह भीड़ में घिरा देखकर बहुत डरावना लगा। यह फैनडम नहीं है... यह अराजकता है और पर्सनल सेफ्टी की पूरी तरह से अनदेखी है। भीड़ से थोड़ी समझदारी और सम्मान इस गड़बड़ी को रोक सकता था। सेलिब्रिटी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं हैं; बेसिक इंसानियत सबसे पहले आनी चाहिए।' एक और यूजर ने लिखा, 'इस तरह आप लोगों को भीड़ से नफरत करवाते हैं।'जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि निधि अग्रवाल ने 2017 में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'मुन्ना माइकल' से एक्टिंग डेब्यू किया था। बाद में वह 'सव्यासाची', 'मिस्टर मजनू', 'हरि हारा वीरा मल्लू' और अन्य फिल्मों में नज़र आईं। वह अगली बार प्रभास के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' में नज़र आएंगी। यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। मारुति द्वारा निर्देशित, द राजा साब प्रभास की हॉरर जॉनर में पहली फिल्म है - जो सुपरस्टार के लिए एक पूरी तरह से जॉनर में बदलाव है। ट्रेलर में एक्टर को एक ट्रांस जैसी सीक्वेंस में और एक डरावनी सुपरनैचुरल ताकत का सामना करते हुए दिखाया गया है। द राजा साब का निर्देशन मारुति ने किया है और इसमें संजय दत्त, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार भी हैं। यह फिल्म, जिसकी आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में हुई थी, की शूटिंग अक्टूबर 2022 में शुरू हुई थी। कई देरी के बाद, यह 9 जनवरी, 2026 को संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

पाकिस्तान में आखिर क्यों ट्रेंड कर रही है सारा अली खान?

मुम्बई। गूगल इंडिया ने अपनी टॉप सर्च की लिस्ट जारी की है। जिसमें बताया गया है कि इस साल किस सितारे को गूगल पर कितना सर्च किया गया। भारत में सबसे ज्यादा बार सर्च की गई लिस्ट में सबसे उपर हैं अभिनंदन, लता मंगेशकर, रानू मंडल, विक्की कौशल, बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट सिद्धार्थ शुक्ला और कोयना मित्रा को सर्च किया गया है। वहीं पाकिस्तान की बात करें तो इस बार पाकिस्तान में सलमान खान, शाहरुख खान का जलवा नहीं बल्कि सारा अली खान का जलवा रहा। पाकिस्तान की टॉप सबसे ज्यादा सर्च होने वाली शख्सियत की टॉप 10 की लिस्ट में इंडियन एक्ट्रेस सारा अली खान का नाम भी शामिल है। सारा अली खान पाकिस्तान की सर्चिंग लिस्ट में छठे स्थान पर हैं। आपको बता दें कि सारा अली खान ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म केदारनाथ से किया था और उसके बाद वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म सिंबा में नजर आयी थी। दोनो ही फिल्मों में सारा की एक्टिंग की तारीफ हुई थी। सारा अली खान बॉलीवुड एक्टर अमृता सिंह और सैफ अली खान की बेटी हैं। सारा जल्द ही फिल्म कूली नंबर वन के रीमेक में नजर आयेंगी।

प्रिंस नरुला से तलाक की अफवाहों पर युविका चौधरी ने तोड़ी चुप्पी,बोली-'मैं मां के घर पर रह रही थी क्योंकि...'

मुम्बई। लंबे समय से प्रिंस नरूला और युविका चौधरी के तलाक की अफवाहें इंटरनेट पर तहलका मचा रहीं थीं। इस बीच, एक्ट्रेस ने आखिरकार इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी और तलाक की अटकलों पर विराम लगा दिया। युविका ने कहा कि अफवाहों ने प्रिंस को प्रभावित किया, लेकिन एक्ट्रेस ने स्पष्ट करने के लिए खुद को मजबूर महसूस नहीं किया, यही वजह है कि उन्होंने इतने लंबे समय तक अफवाहों को नजरअंदाज करना चुना। रिकॉर्ड को सीधा करते हुए, युविका ने तलाक की अफवाहों को खारिज कर दिया और कहा कि वह अपनी मां के घर पर रह रही थी क्योंकि उसके घर में निर्माण कार्य चल रहा था।

ईटाइम्स से बात करते हुए युविका ने कहा, 'पेरेंटहुड हम दोनों के लिए एक नई यात्रा है। मैंने तब अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिंस बहुत भावुक हैं और अफवाहों ने उन्हें प्रभावित किया, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि चीजों को स्पष्ट करने की कोई जरूरत नहीं है। एक समय पर, जब मैंने कहा कि प्रिंस व्यस्त हैं, तो मेरा मतलब था कि वह काम में व्यस्त हैं। फिर लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि मैं अपनी मां के घर पर रह रही हूं, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे घर में निर्माण कार्य चल रहा था। मुझे लोगों को चीजें समझाने की जरूरत महसूस नहीं हुई'। प्रिंस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए युविका ने कहा कि हर चरण अलग होता है-

दोस्त बनने से लेकर डेटिंग, शादी और अब माता-पिता बनने तक। युविका ने कहा कि उन्होंने कुछ मजेदार दिन और कुछ कठिन दिन देखे हैं, लेकिन यह एक उतर-चढ़ाव वाली यात्रा रही है जिसने उन्हें और करीब ला दिया है। प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की शादीशुदा जिंदगी में परेशानी की अफवाहें कुछ महीने पहले सामने आई जब नेटिजेंस ने देखा कि युविका प्रिंस के जन्मदिन के जश्न से गायब थीं। 24 नवंबर को प्रिंस नरूला ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया और प्रिंस अपनी बेटी के साथ पोज देते नजर आए, जबकि युविका तस्वीरों से गायब थीं। इसके बाद में प्रिंस की एक टिप्पणी भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी, जिससे सभी चिंतित हो गए। एक इंटरव्यू में प्रिंस ने दावा किया कि वह पुणे में एक शूट में व्यस्त थे, जब उन्हें युविका की डिलीवरी के बारे में कॉल आया। एक्टर ने अस्पताल भागते हुए याद किया और खुलासा किया कि उनके माता-पिता भी नाराज थे क्योंकि उन्हें आखिरी समय में सूचित किया गया था। प्रिंस ने फ्री प्रेस जर्नल के हवाले से कहा, 'एक तो मुझे पता भी नहीं था कि बेबी हो रहा है, मुझे किसी और से पता लगा, पता नहीं मेरे लिए कैसा सरप्राइज था।' साल 2015 में बिग बॉस के 9वें सीजन में प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने 12 अक्टूबर 2018 को शादी कर ली। 6 साल बाद इस कपल ने 19 अक्टूबर 2024 को अपनी बच्ची एकलनी का वेलकम किया।

3 मिनट के डांस ने बदल दी थी जया प्रदा की किस्मत

मुम्बई। 70 के दशक में साउथ की फिल्मों से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस जया प्रदा को बॉलीवुड में भी खूब नाम और शोहरत मिली। 80 के दशक में जया प्रदा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के टॉप एक्ट्रेसेज में से एक थीं। बॉलीवुड के एक मशहूर डायरेक्टर ने कहा था कि जया फिल्म इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हैं। फिल्म इंडस्ट्री पर लगभग तीन दशक तक राज करने वाली जया प्रदा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया और वो इस क्षेत्र में भी अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं। समाजवादी पार्टी के टिकट पर सांसद रह चुकीं जया प्रदा ने मंगलवार को बीजेपी का दामन थाम लिया है। वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव और अनिल बलूनी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

पार्टी ज्वाइन करने के बाद जया प्रदा ने कहा कि बीजेपी में उन्हें सम्मान के साथ बुलाया गया है, इसके लिए मैं इस पार्टी की शुक्रगुजार हूं। मैं पहली बार राष्ट्रीय पार्टी में आई हूं। मुझे देश के बहादुर नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है। जया प्रदा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का भी शुक्रिया कहा। इस मौके पर जया ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव, एंटी रामाराव और चंद्रबाबू नायडू जैसे वरिष्ठ राजनेताओं को याद

करते हुए कहा कि मैं इन लोगों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे राजनीति में काम करने का मौका दिया। जया प्रदा ने साल 1994 में तेलुगू देशम पार्टी से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने चंद्रबाबू नायडू के साथ अपना पॉलिटिकल करियर आगे बढ़ाया और अंत में समाजवादी पार्टी ज्वॉइन कर ली। 2009 में जया प्रदा ने रामपुर से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता था। साल 2014 में जया प्रदा ने अजित सिंह की आरएलडी का दामन थाम लिया था। इस तरह से देखा जाए तो जया प्रदा ने अपने राजनीति के करियर में पांच पाटिर्यां ज्वाइन की हैं।

आंध्रप्रदेश में 3 अप्रैल, 1962 को जया प्रदा का जन्म हुआ था। बचपन में मां-बाप ने जया का नाम ललिता रानी रखा था। जया की मां ने उन्हें डांस की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। 14 साल की उम्र में जया ने अपने स्कूल के एनवल डे डांस परफॉर्मेस दी थी।

उस वक्त साउथ फिल्मों के एक डायरेक्टर भी वहां मौजूद थे और जया के डांस से वो इतने खुश हुए कि उन्होंने जया को पहला मौका दिया। पहली फिल्म में जया ने 3 मिनट का डांस किया और उसके लिए उन्हें 10 रुपये मिले थे। इस तीन मिनट के डांस ने जया की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

साल 1979 में आई फिल्म 'सरगम' से जया प्रदा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। 'सरगम' साउथ की फिल्म की रीमेक थी। इस फिल्म में जया के साथ बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो ऋषि कपूर लीड में रोल में नजर आए थे। जया प्रदा की जोड़ी जितेंद्र, अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती और ऋषि कपूर के साथ खूब पसंद की गई। वहीं साउथ की फिल्मों में जया की जोड़ी कमल हासन और रजनीकांत के साथ खूब जमी। जया प्रदा की प्रोफेशनल लाइफ जितनी हिट रही उनकी पर्सनल लाइफ में उतनी उथलपुथल रही। जया फिल्म प्रोड्यूसर श्रीकांत नहाटा के साथ शादी करके चर्चा में आ गई थीं। खास बात ये थी कि श्रीकांत पहले से ही शादीशुदा थे और 3 बच्चों के पिता थे। इस शादी के बाद जया प्रदा को लेकर खूब बवाल भी मचा था। बाद में जया प्रदा ने एक बेटे को गोद लिया।

किसके इंतजार में बेचैन है अनिल कपूर! पहली बार करने जा रहे यह काम

नई दिल्ली। अनिल कपूर ने अपने 30 साल से भी ज्यादा लंबे करियर में कई तरह से रोल प्ले किए है। लेकिन एक रोल ऐसा है जिसे लेकर अब अनिल कपूर से सब्र नहीं हो रहा है। वह 63 साल की उम्र में पहली बार यह काम करने के लिए बेकरार हैं। आप भी सोच में पड़ गए न कि ऐसा क्या है जो अनिल कपूर ने नहीं किया। तो आपको बता दें कि अनिल कपूर ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे फिल्मी करियर में पहली बार एक पीरियड ड्रामा 'तख्त' में ऐतिहासिक किरदार निभाने जा रहे हैं और वह इसके लिए बेहद उत्सुक भी है।मीडिया की खबरों के अनुसार, करण जौहर के निर्देशन में बन रही 'तख्त' में अनिल कपूर शाहजहां की भूमिका निभाएंगे। अनिल ने बताया "पहली बार मैं ऐतिहासिक किरदार में नजर आउंगा। एक कलाकार के लिए यह कई भावनाओं का समागम होगा। मैं इसके लिए उत्सुक हूं। मुगल काल की पृष्ठभूमि में बन रही यह फिल्म दो योद्धा भाइयों की कहानी बताएगी। फिल्म के अन्य कलाकारों में करीना कपूर, रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, विकी कौशल, भूमि पेडनेकर, जाह्नवी कपूर आदि है। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू हो जाएगी। बता दें कि अनिल कपूर ने हाल ही में फिल्म 'टोटल धमाल' के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल किया था।

पीकू के बाद फिर साथ काम करेंगे दीपिका और अमिताभ

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन हॉलीवुड फिल्म, द इंटर्न के भारतीय रूपांतरण के लिए फिर से एक साथ काम करने के लिए तैयार है। रीमेक का निर्देशन अमित रविन्द्रनाथ शर्मा द्वारा किया जाएगा और सुनीर खेतरपाल और दीपिका द्वारा निर्मित किया जाएगा। दीपिका ने फिल्म की घोषणा करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे सबसे खास सह-कलाकार के साथ फिर से सहयोग करने के लिए मैं बहुत ज्यादा खुश हूं। द इंटर्न हॉलीवुड की 2015 में आयी एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है,

जिसमें रॉबर्ट डी नीरो और ऐनी हैथवे ने प्रमुख भूमिकाओं में अभिनय किया था। फिल्म नैन्सी मेयर्स द्वारा लिखित और निर्मित की गई थी। यह फिल्म एक 70 वर्षीय व्यक्ति (डी नीरो) की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ऑनलाइन फैशन वेबसाइट पर सीनियर इंटर्न बन जाता है। ऐनी हैथवे, जो कंपनी के सीईओ की भूमिका निभाते हैं, डी नीरो के चरित्र के साथ एक अप्रत्याशित दोस्ती बनाती है। फिल्म को मिश्रित समीक्षा मिली थी।आपको बता दें कि बिग बी और दीपिका पादुकोण ने शूजीत सरकार की 2015 में आयी फिल्म पीकू में साथ काम किया था। अभिताभ बच्चन ने फिल्म में एक पिता की भूमिका निभाई थी और बेटी की भूमिका में दीपिका नजर आयी थी। उनकी बॉन्डिंग को आलोचकों और दर्शकों ने काफी सराहा।

कंगना रनौत ने अभिनेत्री बनने के लिए परिवार से की थी बगावत, इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस

मुम्बई। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री अपने शानदार अभिनय के साथ ही बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। कंगना रनौत ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बता दें कि एक्ट्रेस ने साल 2006 में बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। जिसके बाद इंडस्ट्री में लगातार संघर्ष करते हुए अपना एक अलग मुकाम हासिल किया। वह करीब 18 सालों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। लेकिन कंगना रनौत के लिए यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा। आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर एक्ट्रेस कंगना रनौत के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** हिमाचल के मंडी जिले में 23 मार्च 1987 को कंगना रनौत का जन्म हुई था। वह एक राजपूत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वहीं उनकी एक बड़ी बहन रंगोली और छोटा भाई अक्षत है। एक्ट्रेस के पिता एक बिजनेसमैन और मां स्कूल टीचर हैं। बता दें कि बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार कंगना की फैमिली कभी नहीं चाहती थी कि वह एक अभिनेत्री बनें। उनके पिता चाहते थे कि कंगना अपनी पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनें। लेकिन कंगना 12वीं में फेल हो गईं। वहीं शुरूआत से एक्ट्रेस बनने का सपना देखने वाली कंगना अपने पेरेंट्स से लड़कर मुंबई पहुंच गईं। **बॉलीवुड में ब्रेकः** कंगना रनौत को साल 2006 में फिल्म 'गैंगस्टर' से बॉलीवुड में ब्रेक मिली। इस दौरान उन्होंने अभिनेता इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और इस फिल्म के लिए कंगना को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और लगातार अपनी शानदार एक्टिंग के जरिए दर्शकों के दिल में जगह बनाती गईं। एक्ट्रेस ने अधितकर महिला प्रधान फिल्मों को प्राथमिकता दी और अपने हर किरदार के लिए खूब सुर्खियां भी बटोरी। **राष्ट्रीय पुरस्कारः** एक के बाद एक कई हिट फिल्में देने वाली कंगना रनौत आज टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं। उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री को फिल्म 'फैशन' के लिए पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उस दौरान कंगना की उम्र महज 22 साल थी। फिर उनको फिल्म 'क्वीन' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बता दें कि अभिनेत्री होने के साथ ही कंगना निर्देशक और निर्माता भी हैं। कंगना रनौत का एक प्रोडक्शन हाउस भी है। इस बैनर तले एक्ट्रेस ने कई फिल्मों का निर्माण किया है।

रणदीप हुड्डा ने सरबजीत की बहन की ये आखिरी इच्छा पूरी की थी

नई दिल्ली। स्वातंत्र्य वीर सावरकर की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर रणदीप हुड्डा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वह ' सरबजीत ' में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ काम करने के बावजूद वह सरबजीत सिंह की बहन के साथ ज्यादा करीब थे । ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, रणदीप ने कहा कि उन्होंने सरबजीत की बहन के साथ एक करीबी रिश्ता बनाया, जिसका किरदार फिल्म में ऐश्वर्या राय ने निभाया था। अभिनेता ने आगे कहा कि ऐश्वर्या को वास्तविक जीवन की तुलना में अधिक सादा दिखाने के हर किसी के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, वे काफी सफल नहीं हुए। रणदीप ने इंटरव्यू में बताया कि ऐश्वर्या बहुत अच्छी, बहुत विनम्र थीं और उन्होंने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित और ईमानदार थीं। हालांकि सेट पर उनके बीच ज्यादा बातचीत नहीं हुई क्योंकि उनके अधिकांश दृश्य उनसे अलग थे, लेकिन जब भी उन्होंने बातचीत की, वह अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप रहीं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी
प्रयागराज उ.प्र. 211008 से
मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए
कालोनी नैनी प्रयागराज
211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।